डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 160 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार , 20 मई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

देश के मुसलमानों पर दोहरी जिम्मेदारी है !

- देश के मुसलमानों ने साबित कर दिया है कि उनसे बड़ा वफादार कोई दूसरा नहीं हो सकता है

एम खान.

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। वैसे तो जब भी भारत पर संकट आया है देश के मुसलमानों ने हमेशा साबित किया है कि उनके लिए देश पहले है और देश के लिए कुर्बान होना उनकी जिम्मेदारी बनती है। देश में ऐसा कोई फील्ड नहीं है जिसमें मुसलमानों का योगदान नहीं हो। इतिहास और वर्तमान की जानकारी ली जाए तो पता चलता है कि स्वतंत्रता संग्राम, देश के पुनर्निर्माण, देश के विकास एवं देश में तकनीकी विकास में मुसलमानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पाकिस्तान से वर्तमान झड़पों से लेकर 1971 के युद्ध और 1965 के युद्ध में मुस्लिम भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानी सब जानते हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी तो मुस्लिम महिलाओं की ही नहीं बल्कि देश की सभी महिलाओं के लिए गौरव बन गई हैं। मुसलमानों को देश के भीतर कुछ लोग आतंकी, गद्दार, पाकिस्तान को चाहने वाले और भारत विरोधी कहते मिल जाते हैं। लेकिन भारत का मुसलमान हमेशा देश के लिए मरने-मिटने वाला है और रहेगा। देश की रक्षा करना देश के प्रत्येक मुसलमान का कर्त्तव्य है। यदि देश ही नहीं रहेगा तो देश के मुसलमान कैसे सुरक्षित रहेगा। जैसे-जैसे मुसलमानों में शिक्षा की बढ़ोतरी हो रही है, मुसलमान समझने लगे हैं कि वह यहीं पैदा हुए हैं और यही मरना है। देश के मुसलमान को दोहरी जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है एक तो देश की रक्षा के लिए और दूसरी देश के अंदर अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए। वैसे देश, विविध संस्कृति और धर्मों का देश है और देश के ज्यादातर लोग साथ मिलजुल कर रहना चाहते हैं और देश की तरक्की के लिए सोचते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कोई भी बहाना बनाकर मुसलमानों की मस्जिदों, दरगाहों, मदरसों और मकानों पर बुलडोजर चलवा रहें हैं और मॉबलिंचिंग कर रहे हैं। लेकिन ज्यादातर बहुसंख्यकों के सहयोग के कारण मुस्लिम देश में सुरक्षित है। सब कुछ होने के बाद, पहले और वर्तमान में मुसलमान ने साबित कर दिया है कि देश उनके लिए सर्वोपरि है।

मुसलमानों का योगदान-

वैसे तो देश की रक्षा, विकास, राजनीति एवं तकनीकी विकास में मुसलमानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनमें से कुछ नाम इस प्रकार हैं-

रक्षा

कर्नल सोफिया कुरैशी- कर्नल सोफिया कुरैशी ने सेना में लैंगिक समानता और नेतृत्व के नए मानक स्थापित किए हैं। देश और भारतीय महिलाओं के लिए गौरव है।

परमवीर चक्र, हवलदार अब्दुल हमीद- परमवीर चक्र विजेता हवलदार अब्दुल हमीद ने 1965 भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान के करीब आधा दर्जन पैटन टैंकों को अकेले ही नष्ट करके दुश्मन देश के छक्के छुड़ा दिए थे। मरणोपरांत भारत सरकार ने उन्हे परमवीर चक्र से सम्मानित किया।

महावीर चक्र ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान- ब्रिगेडियर उस्मान जिन्हें नौशेरा का शेर कहा जाता है। 1947-48 के भारत पाक-युद्ध में अपनी वीरता के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठियों के खिलाफ भारतीय सेना का नेतृत्व किया। उनकी रणनीति और साहस ने नौशेरा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 3 जुलाई 1948 में नौशेरा में शहीद होने से पहले उन्होंने दुश्मनों को पीछे धकेल दिया। उन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन - लेफ्टिनेंट जनरल हसनैन एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी रहे हैं। उन्होंने जम्मू- कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों मंह महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह अपनी रणनीतिक सोच और सामुदायिक जुड़ाव नीतियों के लिए जाने जाते हैं। जिससे कश्मीर में शांति स्थापना में मदद की। उन्होंने सेवा में विभिन्न रेजिमेंट में मुस्लिम सैनिकों की वीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय सेवा में धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है।

मेजर अब्दुल रफी खान - 1971 के भारत-पाक युद्ध में मेजर अब्दुल रफी खान ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पूर्वी -मोर्चे पर दुश्मनों के ठिकानों पर हमला करने में अपनी यूनिट का नेतृत्व किया। उनकी वीरता के लिए उन्हें वीर चक्र से नवाजा गया ।

राजनीति और प्रशासन:

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम: भारत के 11वें राष्ट्रपति (2002-2007) और प्रख्यात वैज्ञानिक, जिन्हें "मिसाइल मैन" के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद: स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री, जिन्होंने भारतीय शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

डॉ. सलीम अली: विश्व प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी, जिन्हें "भारत का बर्डमैन" कहा जाता है। उनकी पुस्तक "The Book of Indian Birds" पक्षी विज्ञान में मील का पत्थर है।

प्रो. अहमद जकी: जैव रसायन और आणविक जीव विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध कार्य किया।

कला और संस्कृति:

उस्ताद बिस्मिल्लाह खान: शहनाई वादक, जिन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने शास्त्रीय संगीत को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।

मोहम्मद रफी: प्रसिद्ध पार्श्व गायक, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में हजारों गीत गाए और कई पुरस्कार जीते।

ए.आर. रहमान: ऑस्कर विजेता संगीतकार, जिन्होंने भारतीय और वैश्विक सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी।

साहित्य:

सआदत हसन मंटो: उर्दू साहित्य के महान लेखक, जिनकी कहानियाँ सामाजिक यथार्थ को दर्शाती हैं।

इस्मत चुगताई: प्रगतिशील लेखिका, जिन्होंने महिलाओं के मुद्दों पर सशक्त लेखन किया।

खेल:

मोहम्मद अजहरुद्दीन: भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान, जिन्होंने कई ऐतिहासिक जीत दिलाई।

सानिया मिर्जा: टेनिस में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला, जिन्होंने कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते।

शिक्षा और सामाजिक सुधार:

सैयद अहमद खान: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक, जिन्होंने मुस्लिम समुदाय में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिया।

हामिद दलवई: सामाजिक सुधारक, जिन्होंने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक समानता के लिए काम किया।

उद्योग और व्यापार:

अजीम प्रेमजी: विप्रो के संस्थापक, जिन्होंने भारत को आईटी क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाई। वे परोपकारी कार्यों के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

सिनेमा और मनोरंजन:

शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान: बॉलीवुड के सुपरस्टार, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाया।

जावेद अख्तर: प्रसिद्ध गीतकार और पटकथा लेखक, जिन्हें पद्म भूषण और कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिले।

ये केवल कुछ उदाहरण हैं। मुस्लिम समुदाय ने स्वतंत्र भारत में हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत से देश के विकास में योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

-व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिए निर्देश -कार्यक्रम स्थल पर किया भूमि पूजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 मई की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पलाना में कार्यक्रम स्थल पर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेते हुए दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और गर्मी के मौसम के मद्देनजर सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आमजन के प्रवेश, निकास, बैठक, पेयजल सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर भूमि पूजन भी किया।। इस दौरान केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, विधायक बाबूसिंह राठौड़, कुलदीप धनखड़ और डॉ विश्वनाथ मेघवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री करेंगे 103 रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने यात्री सुविधाओं के दृष्टिगत रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बीकानेर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान मोदी देश के 103 स्थान पर रेलवे स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण करेंगे

भाजपा नेताओं को क्या हो गया है? पार्टी नेतृत्व को शर्मिंदा होना पड़ रहा है !

विदेश मंत्री जयशंकर, मंत्री विजय शाह, विधायक नरेंद्र प्रजापति एवं बालमुकुंद आचार्य आदि ऐसे भाजपा नेता है जिनके बड़बोलेपन से भाजपा को शर्मिंदा होना पड़ा है।

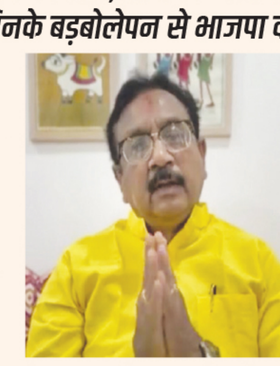

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय देश मुश्किल के दौर से गुजर रहा था। देश पर युद्ध विराम करने का अंतराष्ट्रीय दबाव था, फिर भी देश की सेना ने पाकिस्तान और उसकी सेना को उसकी हैसियत बताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। युद्ध विराम के बाद भाजपा नेताओं ने श्रेय लेने के लिए और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में इतने कसीदे पढ़ना शुरू कर दिये और जो चाहे बोला, जो नहीं बोलना चाहिए था। इन भाजपा नेताओं के वक्तव्य और कृत्यो से ऐसा लगता है कि इन्हें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की और देश की इज्जत और तिरंगे की इज्जत की कोई चिंता नहीं है।

किसने क्या बोला एक नजर में-

विदेश मंत्री जयशंकर- विदेश मंत्री जयशंकर ने पत्रकारों के सामने बोला कि हमले से पहले हमने पाकिस्तान को सूचना दे दी थी कि भारत सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाएगा। जयशंकर के बयान की जब कांग्रेस नेताओं ने आलोचना की और देश की सेना के साथ गद्दारी बताया तो भाजपा नेतृत्व को शर्मिंदा होना पड़ा।

नरेंद्र प्रजापति- भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति ने सबके सामने कहा कि भारत पाकिस्तान का युद्ध विराम अमेरिका के कहने पर हुआ है, जबकि ऐसा वक्तव्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित किसी ने नहीं दिया है।

मंत्री विजय शाह- मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर को लीड करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बता दिया। हाई कोर्ट के आदेश पर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध एफआईआर करनी पड़ी।

विधायक बालमुकुंद आचार्य- राजस्थान भाजपा के विधायक बालमुकुंद आचार्य तिरंगा यात्रा निकालने में इतने व्यस्त दिखाई दिए कि उन्होंने तिरंगा के कपड़े से मुंह और नाक का पसीना ही पोंछ लिया। तिरंगा से पसीना पोंछने का वीडियो तेजी से वायरल हुआ और भाजपा नेतृत्व को एक बार फिर शर्मिंदा होना पड़ा।

सीजेआई बीआर गवई के स्वागत में नहीं पहुंचे DGP और मुख्य सचिव

- सीजेआई ने दी अपनी प्रतिक्रिया

मुंबई, (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर बीआर गवई ने शपथ ले ली है। सीजेआई बनने के बाद वो पहली बार महाराष्ट्र पहुंचे। इस दौरे के दौरान उनकी अगवानी के लिए राज्य के मुख्य सचिव पुलिस महानिदेशक या पुलिस आयुक्त उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे, न ही उनके कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस वजह से सीजेआई नाराज हो गए। 14 मई को सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले गवई, महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल की तरफ से आयोजित सम्मान समारोह के लिए मुंबई गए थे।

छोटी चीजों पर ध्यान नहीं देते- सीजेआई

सीजेआई ने समारोह में कहा कि वह ऐसी छोटी चीजों पर ध्यान नहीं देना चाहते। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया लोकतंत्र के सभी तीन स्तंभ समान हैं और उन्हें एक-दूसरे के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। इसके बाद सीजेआई गवई ने कहा, 'अगर राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी या मुंबई पुलिस कमिश्नर वहां नहीं आना चाहते हैं, तो यह उन पर निर्भर करता है कि वे इस बारे में सोचें कि यह सही है या नहीं। सीजेआई ने कहा कि वह प्रोटोकॉल के पालन पर जोर नहीं दे रहे हैं। बस ये सम्मान की बात है। सीजेआई ने कहा कि वह ऐसे छोटे-मोटे मामलों में नहीं पड़ना चाहते, लेकिन उन्हें इसका उल्लेख करने की जरूरत महसूस हुई ताकि लोगों को इसके बारे में पता चले। गवई ने आगे कहा, 'अगर मेरी जगह कोई और होता, तो अनुच्छेद 142 के प्रावधानों पर विचार किया जाता।' भारतीय संविधान का अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले या मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले आदेश या डिक्री पारित करने की शक्ति देता है। यह न्यायालय को व्यक्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आदेश देने की भी अनुमति देता है।

क्या है अनुच्छेद 142?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले या मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए जरूरी समझे जाने वाले आदेश देने की शक्ति प्रदान करता है। यह न्यायालय को व्यक्तियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए आदेश देने की भी अनुमति देता है।

भारत में कई बांग्लादेशी प्रोडक्ट्स की लैंड-पोर्ट से एंट्री बैन

- रेडीमेड कपड़े और प्रोसेस्ड फूड अब चुनिंदा रूट्स से आएंगे, नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को व्यापार नियमों में बदलाव करते हुए बांग्लादेश से आने वाले फल, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, प्रोसेस्ड फूड, कॉटन, प्लास्टिक और लकड़ी के फर्नीचर के नार्थ ईस्ट के लैंड पोर्ट से

इम्पोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अंतर्गत आने वाले डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने इसे लेकर नोटिफिकेशन जारी किया। नोटिफिकेशन के मुताबिक बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट का इम्पोर्ट अब सिर्फ न्हावा शेवा (जवाहर पोर्ट) और कोलकाता पोर्ट के जरिए ही किया जा सकेगा।

राजनीति में 15 साल से सूखा बसपा की वजह से है - चंद्रशेखर आजाद

- कहा- अगर सूखा नहीं होता तो, हमारी ज़रूरत नहीं पड़ती

गाजीपुर। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रविवार को उत्तर प्रदेश स्थित गाजीपुर पहुंचे। यहां उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। इसके बाद नगीना सांसद ने पत्रकारों से बात की। यह पूछे जाने पर कि बसपा में कौन सी कमी थी जिसे आप पूरा करना चाहते हैं, उन्होंने कहा कि राजनीति में 15 साल का जो सूखा है वह बसपा की **शेष पृष्ठ 2 पर...**

ग्वालियर हाईकोर्ट के बाहर वकीलों और भीम आर्मी में झड़प, पुलिस अलर्ट पर

- बाबा साहब की मूर्ति स्थापित करने को लेकर चल रहा है विवाद

ग्वालियर। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापना का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। शनिवार को फिर एक बार फिर वकालों और भीम आर्मी के सदस्यों को बीच झड़प देखने को मिली। वकीलों का एक वर्ग मूर्ति स्थापना का विरोध कर रहा है, जबकि समर्थक इसे संविधान निर्माता का सम्मान बता रहे हैं। यह विवाद हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के बाहर उस समय उत्पन्न हुआ जब भीम आर्मी के कार्यकर्ता मूर्ति लगाने की मांग को लेकर वहां पहुंचे। इस दौरान वकीलों और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई।

पुलिस ने किसी तरीके से मामले को कराया शांत

दोनों पक्षों के बीच हुई झड़प के तुरंत बाद मौके पर पुलिस के अधिकारी पहुंचे। पुलिस ने मौके पर मामले को शांत करवाने का प्रयास किया और अधिवक्ता को भी रोका , लेकिन देखते देखते कब दोनो गुट आपस में भिड़ गए इसका पता नहीं चला। बताया जा रहा है कि मौके पर गुस्साए वकीलों ने भीम आर्मि के रुपेश कैन के साथ मारपीट की। जिससे मौके पर तनाव और बढ़ गया। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को भारी संख्या में बल तैनात करना पड़ा। विवाद की जड़ यह है कि वकीलों के एक वर्ग द्वारा बाबा साहेब की मूर्ति की स्थापना का समर्थन किया जा रहा है, जबकि बार एसोसिएशन के वकील इसका विरोध कर रहे हैं।

विधिक अधिकारी जाएंगे जबलपुर

इस पूरे मामले में एक निर्णय पर आने के लिए प्रदेश के चीफ जस्टिस ने सभी विधिक अधिकारियों को जबलपुर बुलाया है। बताया जा रहा कि इन अधिकारियों यानि अतिरिक्त महाधिवक्ता, बार के पदाधिकारी, सीनियर अधिवक्ता सहित अन्य आवश्यक लोगो को इस मुद्दे पर विचार विमर्श के लिए सीजे ने जबलपुर बुलाया है।

जानिए क्या है पूरा विवाद

दरअसल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में जैसे ही बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने की चर्चा हुई वैसे ही विवाद ने जन्म ले लिया। बार एसोसिएशन मूर्ति लगाने को लेकर विरोध जता रही है। बार एसोसिएशन के मुताबिक हाईकोर्ट की सात सदस्यीय बिल्डिंग कमेटी ने भी परिसर में मूर्ति लगाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इसके बावजूद डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुयायी वकीलों का एक गुट मूर्ति लेकर दो दिन पहले हाईकोर्ट पहुंच गया। मूर्ति लगाने के पक्ष में वकीलों का कहना था कि उनके पास इजाजत है और 14 मई को मूर्ति की स्थापना होनी थी। धीरे-धीरे यह मूर्ति विवाद जातिगत तनाव में बदल गया है। मूर्ति लगाने के पक्ष की ओर से विरोधियों को सनातनी कहते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट की जा रही है, तो विरोध करने वाले सोशल मीडिया पर भीम आर्मी व मूर्ति लगाने के पक्ष को ललकार रहे हैं। ऐसे कई वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस और जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गए हैं। **शेष पृष्ठ 2 पर...**

पहलगाम हमले के पहले पाकिस्तान गई थी यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा

- भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर से संबंध थे, पाक दूतावास में जाती रहती थी

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा से जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर दानिश से नजदीकी थी। उसके यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' पर अपलोड किए गए वीडियो से ही इस बात का पता चला। इसके बाद पूछताछ में ज्योति ने इस बात की पुष्टि की। ज्योति पिछले साल 23 मार्च को पाकिस्तान के नेशनल डे पर वहां की एंबेसी में इफ्तार पार्टी में शामिल हुई थी। उसने अपने चैनल पर इसका वीडियो डाला था। एंबेसी में पाकिस्तानी दूतावास के एक अफसर दानिश ने बहुत फ्रेंडली तरीके से उसका वेलकम किया। वीडियो में दोनों आपस में इस तरह से बात करते दिखे जैसे एक-दूसरे को बहुत करीब से जानते हों। इसी दानिश को ऑपरेशन सिंदूर के बाद अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया था। भारत सरकार ने उसे 13 मई को देश से निकाल दिया था। पार्टी में दानिश ने उसे अपनी पत्नी से मिलवाया। इसके अलावा वहां मौजूद अधिकारियों से भी उसकी बात कराई। इस इफ्तार में ज्योति चीनी अधिकारियों से भी मिली।

खुफिया एजेंसियों की वजह से मिलता वीआईपी ट्रीटमेंट

हरियाणा के हिसार से जासूसी के शक में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान में वीआईपी ट्रीटमेंट मिलता था। ऐसा पाक एंबेसी के अधिकारी दानिश और पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के ज्योति के कॉन्टैक्ट की वजह से होता था। उसका जहां जाने का मन होता था, वहां चली जाती थी। हिसार पुलिस की पूछताछ में उसने यह बातें कबूल की हैं। आमतौर पर किसी भारतीय के पाकिस्तान जाने पर पुलिस के स्तर पर उसकी निगरानी की जाती है। वह उन्हीं जगहों पर जा सकता है, जिसका जिक्र वीजा में होता है। लेकिन, ज्योति पाकिस्तान में हाईप्रोफाइल पार्टियों में भी शामिल होती थी।

जन औषधि केंद्र में युवाओं हेतु अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के आवेदन प्रारंभ

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा माय भारत इनिशिएटिव के अंतर्गत जन औषधि केंद्र के सहयोग से अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 1 जून से 30 जून के मध्य किया जाना प्रस्तावित है। माय भारत केन्द्र के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि आवेदन माय भारत पोर्टल www.mybharat.gov.in के एक्सपेरिनशियल लर्निंग टैब के माध्यम से किया जाना है। आवेदक सीनियर सेकेंडरी उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदक को जन औषधि केंद्र में भंडार प्रबंधन, सामान्य रिकॉर्ड रखरखाव, ग्राहक सेवा और जन स्वास्थ्य को समझने में सहायता मिलेगी।

खोया पाया

मेरे प्लॉट नं. 429, जे. डी. ए. कॉलोनी, मीणा पालड़ी, आगरा रोड, जयपुर का नक्शा, पट्टा, एलॉटमेंट लेटर कहीं खो गए हैं। जिस किसी को भी मिले तो इसका दुरुपयोग नहीं करे, मुझे सूचित करें-
गुलरेज आलम
पुत्र श्री मोहम्मद यासीन सैफी
मकान नं. 1/118, वन विहार, हाउसिंग बोर्ड, दिल्ली रोड, जयपुर
मोबाईल : 98282 88146

ये लम्हे

गीत के बोलों सी गुनगुनाती ज़िन्दगी में ,
तुम्हारी पदताल मुझे संगत देती थी,
हर पल जीवन की चुनौती उसे और भी,
झंकृत करती थी लयबद्ध करती थी।
सांसों की तरन्नुम उसे गुंजायमान करती,
तब वह और भी आकर्षक लगती थी।
जिसका संगीत कठिन सवाल का हल,
चुटकियों में ढूंढ लेने में मदद करता था ।
हर पल मानो ज़िन्दगी बुलाती थी,
र स के सागर में निमग्न होकर गाने को।
पल पल घटित होते अनुभवों से,
रोज नए तराने जन्म लेते थे।
मन करता था सुनतीं रहूं बुनती रहूं,
सुरीली इस धुन को चुनती रहूं।
किन्तु इक तेरी संगत जैसे छूटी
सांसों की ल य मानों टूट गई।
वो चुनौती जो लुभाती थी हरपल,
अब भयानक लगने लगती थी।
किन्तु अब भी विश्वास है आस है,
कानों में प्रतिध्वनित होते स्वर का।
तुम्हारे संसर्ग में बिताए लम्हे जो,
गूंजते हैं मन पर निनादित होकर।
अब तुम्हारी छवि साक्षात नहीं,
उभरती है एक अक्स बनकर।
हर पल सांसों की नई सरगम,
अब नयी रागिनी सुनाने को उद्यत है।
बीते लम्हों की पीड़ा अब मिटी नहीं,
पर अब तराने कुछ अलग होने लगे हैं।

डॉ. आरती भदौरिया
रिटायर्ड प्रोफेसर अंग्रेजी
राजकीय कन्या महाविद्यालय सवाई माधोपुर राजस्थान

हज़ार कर

पहले तो प्यार कर फिर तू एतबार कर
बे रंग ज़िन्दगी में रंगों से प्यार कर
करने की सोचने में उम्र रायगां न कर
दम -खम दिखा इकाई से भारी हज़ार कर
अच्छा बुरा हमीं ने तो तुमको सिखाया है
सब भूल कर खुशियों के संग करार कर
नश्शा रगों में ख़ून के संग रक्स कर रहा
दिल की जवां पुकार है भर पूर वार कर
पैसों का प्यार रुह को झकझोरता नहीं
चिंगारियां जो भरदे उन शोलों से प्यार कर
असली मज़ा उजड़ के बसाने में है जनाब
दिल की ज़मीं पे नेकियां तू बेशुमार कर
हंगामे ज़िन्दगी के ख़त्म होते नहीं हैं
ख़त्म हों ये नफरतें कुछ ऐसा मेरे यार कर

मौलिक रचना, रचियता:- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

सांगानेर में तिरंगा यात्रा का हुआ भव्य आयोजन

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हुए शामिल, उमड़ा जनसैलाब

मोहम्मद सादिक हिन्दस्तानी

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी पूरे भारत में हिंदुस्तान की सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। इसी कड़ी में सांगानेर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में हजारों की संख्या में सांगानेर की जनता एकत्रित हुई। नाचते,गाते एवं गगनचुम्बी नारे लगाते हुए सांगानेर की जनता का उत्साह जोरों पर दिखाई दे रहा था। बस स्टैंड से लेकर मालपुरा गेट तक यात्रा निकाली गई। जिसमें 25 जगह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

के नेतृत्व में चल रही तिरंगा यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। व्यापार महासंघ, सांगानेर के अध्यक्ष त्रिलोक चौधरी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। इसी कड़ी में मुस्लिम समाज ने भी जावेद कागजी के नेतृत्व में सिपाहियान मस्जिद के सामने तिरंगा यात्रा का शानदार इस्तकबाल किया गया। हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल कायम की गई। जावेद कागजी ने कहा की मुस्लिम समाज अपने वतन हिंदुस्तान के लिए तन-मन-धन से कुर्बान होने के लिए हमेशा तैयार रहता आया है और हमेशा रहेगा। वतन के खातिर दिल ओ जान न्यौछावर कर सकते हैं हम, इतिहास की क्या बात करते हो पाकिस्तान का भूगोल बदल सकते हम।

सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों का बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर के कक्षा दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में अपेक्षा से ज्यादा अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कला विषय में छात्र अनुराग मीणा ने 98 प्रतिशत एवं आयुष भटनागर ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रसायन विज्ञान में महिमा शर्मा ने 100 अंक लाकर बहुत बड़ी सफलता प्राप्त की है। ऋद्धि जैन ने कॉमर्स संकाय में 92 अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता और शिक्षकों को गर्व महसूस कराया वल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत का कार्य किया है। ऋद्धि की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत,अनुशासन और समय प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विज्ञान विषय में महिमा शर्मा, करण सोगर, धृति मित्तल अभिषेक कुमार शर्मा, मधु कुमावत ने 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किये है। दसवीं की छात्रा कुमारी सोनल कोरजानी ने

95 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा दसवीं के लगभग 30 विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम बढ़ाया है। विद्यालय के निदेशक डॉक्टर मुदित विलियम्स ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक गण एवं सभी विद्यार्थियों की भूरी भूरी प्रशंसा की है और कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। विद्यार्थियों की मेहनत के पीछे शिक्षकों के अनुभव का भी साथ रहा। जिस प्रकार विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष मन लगाकर अध्ययन किया उसी प्रकार शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक कर दिए और उसी का परिणाम विद्यालय को आज गौरवान्वित कर रहा है। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि यह परिणाम विद्यालय की शिक्षा गुणवत्ता का परिचायक है। उन्होंने छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि छात्रों की मेहनत शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी है। आगे भी इसी तरह लगन से कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित करते रहें।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों की प्रभावी पालना एवं सड़क सुरक्षा

उपायों को धरातल पर उतारने पर चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और यातायात नियमों का पालन ही दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

उन्होंने जिले में सघन हेलमेट एवं सीट बेल्ट जागरूकता अभियान चलाने तथा उड़नदस्तों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी पी.आर. मीणा एवं सीओ ट्रैफिक पिंटू कुमार को दिए। उन्होंने ऑटोमेटिक ड्राइविंग ट्रैक का निर्माण शीघ्र आरंभ कराने, चालानों की संख्या में वृद्धि करने एवं एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आईआरएडी) ऐप का प्रत्येक थाना स्तर पर नियमित उपयोग सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिला कलक्टर ने स्कूल एवं कॉलेजों में छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा स्पीड ब्रेकरों पर रिफ्लेक्टर और जेब्रा कलर पेंटिंग कराने के निर्देश भी दिए। ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर

रोकथाम के निर्देश:-

बैठक में ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर तत्कालिक व स्थाई सुधार कार्य कराने, दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्रों में सरकारी गाइडलाइन अनुसार सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक सड़क की मासिक दुर्घटना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी हरिसिंह मीणा सहित संबंधित विभागों को दिए गए।

पृष्ठ 1 का शेष...

राजनीति मे 15 साल से...

वजह से है। अगर सूखा ना होता तो हमारी जरूरत नहीं पड़ती। वह सूखा इस बार लोकसभा के चुनाव में भी दिख गया।नगीना सांसद की यह तीखी टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब बसपा चीफ मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में वापसी के एक महीने के बाद चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

इन मुद्दों पर भी बोले चंद्रशेखर

दूसरी ओर पत्रकारों से बात करते हुए आजाद ने संविदा कर्मियों की नौकरी को परमानेंट करने की भी बात कही लेकिन उसके लिए उनकी सरकार आएगी तब वह करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से मैं निजी क्षेत्र में आरक्षण का बिल लेकर आया था वह बिल नहीं था सच्चाई थी जो होना चाहिए। वहीं संविदा कर्मचारी भाई डरते हैं कि कहीं उन पर कोई कार्रवाई न हो जाए इसलिए मैं उन्हें विश्वास दिलाना चाहता हूं कि वह घबराएं नहीं मैं उनकी सेवा को पक्की सेवा समय आने पर करूंगा। उन्होंने कहा कि आजाद समाज पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 और 2027 का विधानसभा चुनाव अपने बलबूते पर लड़ेगी। आजाद ने विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर लड़ने के संकेत भी दिए। इसके अलावा सांसद ने कहा कि ईवीएम से चुनाव नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) के माध्यम से चुनाव कराना लोकतंत्र की पारदर्शिता और जनविश्वास के विरुद्ध है। यह व्यवस्था शासक वर्ग के षड्यंत्र का हिस्सा प्रतीत होती है, जिसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को नियंत्रित करना है।

पृष्ठ 1 का शेष...

ग्वालियर हाईकोर्ट के बाहर...

पुलिस ने की भड़काऊ पोस्ट से दूर रहने की अपील शनिवार को हाईकोर्ट परिसर के बाहर सड़क पर वकीलों और भीम आर्मी के बीच मारपीट के बाद कई तरह के भड़काऊ पोस्ट सोशल मीडिया पर दोनों पक्ष की ओर से जारी किए गए थे। जिसके बाद मामला और बिगड़ गया था। पुलिस ने तत्काल इसको निगरानी में लिया और ग्वालियर पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट से खुद एसएसपी ग्वालियर ने इस तरह की पोस्ट करने वालों से दूर रहने और उनके तिरस्कार की अपील की है। साथ ही छह सोशल मीडिया हैंडलर्स को नोटिस की बात लिखी है। सोमवार को होगा फैसला हाईकोर्ट में मूर्ति विवाद का निपटारा अब जबलपुर में होगा। हाईकोर्ट जबलपुर के चीफ जस्टिस की निगरानी में सोमवार को बैठक होने जा रही है। जिसमें ग्वालियर हाईकोर्ट के दोनों पक्षों के वकील होंगे। यहां क्या फैसला आता है जिस पर दोनों पक्ष की क्या प्रतिक्रिया रहती है इसको लेकर पुलिस पहले से ही अलर्ट मोड़ पर है।

शहर में शोभायात्रा तथा प्रवचन रख कर मनाई बुद्ध की त्रिविध बैसाख पूर्णिमा

भरतपुर (रॉयल पत्रिका)। तथागत बुद्ध की त्रिविध बैसाख पूर्णिमा जयंती महोत्सव के रूप में प्रज्ञा बुद्ध विहार, विकास नगर के बैनर तले धम्माचारी श्रवणवीर के नेतृत्व में सुबह सर्कुलर रोड पर शोभायात्रा निकाल कर तथा प्रज्ञा बुद्ध विहार में धम्म प्रवचन देकर मनाई गई। शोभायात्रा बुद्ध विहार विकास नगर से प्रारंभ होकर सूरजपोल चौराहा पहुंची, जहां अम्बेडकर भवन विकास समिति सूरजपोल द्वारा झांकी का स्वागत तथा जलपान मन्नू भगत व बृजलाल सहित टीम द्वारा किया गया। इसके बाद सौगरिया मोहल्ला में अम्बेडकर भवन विकास समिति द्वारा झांकी का स्वागत तथा जलपान का आयोजन जगदीश बैद्य, हरीश मंत्री, हरिसिंह बाबू, बच्चू सिंह, लोकेश व टीम द्वारा किया गया। सिद्धार्थ नगर में दीपक कुमार सूर्या, जीतेन्द्र जाटव, रविंदर सिंह कर्दम, कृष्णा, सोनू, सत्यपाल, रोहित व टीम द्वारा झांकी का स्वागत, जलपान तथा अल्पाहार कराया गया। द अम्बेडकर रॉयल क्लब भरतपुर द्वारा काली की बगीची पर वीरेंद्र सिंह, दिनेश, सुगन चंद तोसावड़ा, जोगेंद्र सोनी, दरब सिंह, संजीव ताहर, गब्बर सिंह, योगेंद्र सिंह, अखिलेश, गजबीर व टीम द्वारा झांकी का स्वागत, जलपान व अल्पाहार का वितरण किया गया। प्रबुद्ध बहुजन मेत्री संघ भरतपुर द्वारा चौधरी मैरिज होम पर डॉ. राजाराम, बबीता बौद्ध, लाल सिंह, भीम सिंह कर्दम, कमल सिंह भांडोर, लेखराज, कन्हैया, दीपचंद व टीम द्वारा झांकी का स्वागत, जलपान व अल्पाहार का आयोजन किया गया।

संवैधानिक जन चेतना एवं विकास अंबेडकर विकास समिति विजय नगर द्वारा हीरादास सर्किल पर पूरन सिंह, श्रीलाल निमेष, रामसिंह पटवारी, मान सिंह, विजय सिंह, सन्तोष कुमार, नरेश राठी, मनोज तामेश, देवीराम तराना, प्रेम सिंह आजाद, घनश्याम व टीम द्वारा झांकी का स्वागत किया गया।

भीम भारत युवा संगठन, जसवंत नगर द्वारा हीरादास चौराया पर ओ.पी. शेखर, जितेन्द्र सिकरवार अध्यक्ष, सुनील बंशीवाल, मनीष कुमार व टीम द्वारा झांकी का स्वागत व जलपान वितरण किया गया।

अंबेडकर संघ बड़ा मोहल्ला द्वारा कुम्हेर गेट चौराया पर रमन लाल ठेकेदार, राहुल कुमार, बृजलाल, सिकंदर, धारा सिंह, गया प्रसाद, महेश, जोती व टीम द्वारा झांकी का स्वागत व अल्पाहार वितरण किया गया।

डॉ. अंबेडकर नर्सेज वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आरबीएम हॉस्पिटल पर भंवर सिंह सागर जिला अध्यक्ष, अरविंद, कपूर चंद, महेन्द्र सिंह, लाखन सिंह, शीला सागर, राधा, प्रियंका, रामा, प्रतिमा रश्मि व टीम द्वारा झांकी का स्वागत व बूंदी का वितरण किया गया।

समिति वसंत विहार द्वारा बसंत विहार पर झांकी का स्वागत, जलपान व अल्पाहार वितरण सी.बी. सिंह, रामफूल, मोहन लाल, मोहन सिंह, डॉ. रीठा, तेजपाल, सोहन सिंह, भीम सिंह, पुष्कर सिंह, दयाचंद, बृजलाल, विजय सिंह, बच्चू सिंह व टीम द्वारा किया गया। रमा देवी के नेतृत्व में कई दर्जन महिलाओं ने शोभायात्रा में भाग लिया।

महोत्सव कार्यक्रम में सतीश स्टोन, विजय सिंह, तेज सिंह, बीरेंद्र सिंह, पोखन सिंह, महेन्द्र सिंह, भूदेव मथुरिया, बृजलाल परनामी, पूरन सिंह, परसादी लाल, कपूर चंद वर्मा, बहादुर सिंह, धारा सिंह, प्रेम सिंह पटवारी, मंजू देवी, सुनील कुमार, अमर सिंह न बीजा, प्रेम सिंह कैन, कुंवर चंद, रामकुमार, गिर्राज सिंह, महाराज सिंह, सुभय सिंह, वेदप्रकाश, रंजीत सिंह, किशोर लुहासिया, रवि सागर, प्रेम सिंह अंबेश, दिगम्बर, मुकेश कुमार पिप्पल, ज्ञान सिंह, राम खिलाड़ी, विजय सिंह हथेनी, मोहन सिंह, पूरन सिंह सहित सैकड़ों उपासक-उपासिकाओं ने भाग लिया।

महोत्सव का समापन पायस वितरण के साथ किया गया।

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के व उनके पुनरुद्धार प्रति प्रतिबद्धता दिखाए प्रदेश की भाजपा सरकार : डॉ शिखा मील बराला

-जिला स्तरीय जनसुनवाई में फिर उठा चौमूं नहर का मुद्दा
-चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने उठाया ऐतिहासिक नहर का का मुद्दा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनसुनवाई के दौरान चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने एक बार फिर चौमूं शहर की ऐतिहासिक नहर के संरक्षण व पुनरुद्धार का मुद्दा उठाया। उन्होंने जिला प्रशासन को अवगत करवाते हुए बताया कि चौमूं की नहर चौमूं की ऐतिहासिक संस्कृति की पारंपरिक धरोहर है जिसे वर्तमान में कुछ विशेष लोगों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से योजनाबद्ध तरीके से इसे नष्ट किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि नहर को यथावत रखते हुए भी सड़क निर्माण संभव है लेकिन जन सुविधा और अस्पताल मार्ग की आवश्यकता बताकर वर्षों पुरानी इस ऐतिहासिक नहर को नष्ट

कर निजी हित में पार्किंग सुविधा विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों को (नहर) को मिटाया नहीं सहेजा जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि नहर की स्थिति की वास्तविक रिपोर्ट तैयार करवाई जाए ताकि नहर को कानूनी व प्रशासनिक रूप से पुनरुद्धार कर शहर के ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण किया जाए। उन्होंने अवगत करवाया है कि उक्त मामले को लेकर अभी हाल ही में कुछ दिनों पूर्व मुख्यमंत्री को भी पत्र प्रेषित किया जा चुका है। जिसमें उन्होंने उच्च स्तरीय विवाद के जांच और नहर के पुनरुद्धार के लिए योजनाबद्ध कार्यवाही की मांग की है इसके अलावा उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के अन्य विकास के मुद्दों को भी जनसुनवाई में उठाया।

कागजी क्रिकेट एकेडमी का 20 मई को सचिन पायलट करेंगे उद्घाटन

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। भारत में क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसको बच्चे,जवान और बूढ़े भी पसंद करते हैं। इस खेल की दीवानगी लोगों के सिर पर चढ़कर बोलती है। करीब 20 वर्षों से जयपुर के सांगानेर में कागजी समाज, कागजी प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन करता आ रहा है। जिसमें कागजी समाज और अन्य समाज के बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। कागजी प्रीमियर लीग का इतिहास बहुत पुराना रहा है। कागजी समाज के बुजुर्ग लोग बच्चों का तन-मन-धन से पूरा साथ देते हैं। इस क्रिकेट लीग में राजस्थान रणजी ट्रॉफी के दो-तीन खिलाड़ियों का भी आना-जाना रहा है। यहां तक की यूसुफ पठान, इरफान पठान भी गेस्ट के रूप में यहाँ आ कर इस क्रिकेट लीग की शोभा बढ़ा चुके हैं। इस समाज को अपने स्वयं के क्रिकेट ग्राउंड की अति आवश्यकता थी। जो अब जल्द पूरी होने जा रही है। क्रिकेट के सह संयोजक अजीज़ अजमेरी ने दी जानकारी के अनुसार 20 मई 2025 को अकादमी का उद्‌घाटन राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान कांग्रेस विधायक सचिन पायलट एवं किशनपोल विधायक एवं हज कमेटी राजस्थान के पूर्व चेयरमेन अमीन कागजी के द्वारा

होने जा रहा है।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अमीन पठान भी मौजूद रहेंगे। उद्‌घाटन समारोह के संयोजक अजीम कागजी और जाहिद कागजी है और सह संयोजक अजीज अजमेरी, अलीमुद्दीन बाबू कागजी, अमीर पठान और अब्दुल हक कोटा वाले ने संयुक्त बयान में कहा है कि इस उद्‌घाटन में ज्यादा से ज्यादा लोगो से शामिल होने की अपील की है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

ऑपरेशन सिंदूर विजय भव: वर्क संस्था ने मनाया गौरव पल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ रिलीजन एंड नॉलेज (वर्क), जयपुर की महिला शाखा ने ध्रुव मार्ग, तिलक नगर में "नारी तू नारायणी: ऑपरेशन सिंदूर विजय भव" नामक एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया। वर्क प्रवक्ता सैयद असगर अली ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में वर्क की महिला-पुरुष सदस्य तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं शामिल हुईं। वर्क की महिला हेड आलिया रहमान ने कहा कि हमारे देश की वीरांगनाओं और सेना ने पाकिस्तान को उसकी ही जमीन पर घुसकर महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई करते हुए एक गौरवपूर्ण उदाहरण पेश किया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए। वर्क की एक्जीक्यूटिव लुबना फिरदौस ने ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह सैन्य अभियान सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से किया गया था। भारतीय सेना ने इस ऑपरेशन के तहत आतंकवादियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की। वर्क प्रवक्ता सैयद असगर अली ने विस्तार से बताया कि भारतीय वायुसेना ने बहावलपुर, मुरिदके, गुलपुर, भिंबर, चक अमरू, बाग, कोटली, सियालकोट और मुज़फ़्फ़राबाद में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व युद्ध था, जिसमें पारंपरिक हथियारों के बजाय ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग हुआ। भारतीय वायुसेना ने नूर खान और रहीमयार खान हवाई अड्डों पर हमले कर पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को नुकसान पहुँचाया। अली ने बताया कि भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। वर्क हेड लाइक हसन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना ने अपनी ताकत और रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे पाकिस्तान को युद्ध विराम के लिए मजबूर होना पड़ा। कार्यक्रम में डॉक्टर तसनीम, जियाउर्रहमान, डॉक्टर मलिका, रुबीना तबस्सुम, जॉन्टी भाई, यूसुफ खान, शाहिद खान, राशिद खान, इरशान अहमद, नाजनीन, शरफुद्दीन, गुलफाम सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शहीदों की याद में लगाए परिंडे

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जामिया तय्यबा एजुकेशन सोसाइटी के तत्वावधान में 16 मई को हसनपुरा स्थित नाहरी का नाका क्षेत्र में पहलगाम शहीदों की याद में 50 पानी के परिंडे लगाए गए। कार्यक्रम में कारी मोहम्मद इसहाक, निसार, अब्दुल अलीम, अब्दुल अज़ीज़, कमरू भाई सहित मदरसे का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। इस अवसर पर मदरसे के बच्चों को भी पानी के परिंडे वितरित किए गए, ताकि वे उन्हें अपने घरों की छतों पर लगाकर गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने में योगदान दे सकें। आयोजन का उद्देश्य परिंदों के लिए जल की व्यवस्था के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और बच्चों में सेवा-भावना को बढ़ावा देना रहा। इससे पहले भी संस्था द्वारा शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर परिंडे लगाए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के "संगठन सृजन कार्यशाला" में रूबी खान की रही सक्रिय भूमिका

जयपुर/लखनऊ, (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित "संगठन सृजन कार्यशाला" का शुभारंभ लखनऊ में हुआ, जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा इमरान प्रतापगढ़ी की विशेष शिरकत रही। इस पूरे आयोजन में उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग की प्रभारी रूबी खान की मेहनत, योजना और नेतृत्व निर्णायक भूमिका में रही। इमरान प्रतापगढ़ी के लखनऊ आगमन पर एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक रूबी खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। देर रात तक चली तैयारियों में वह खुद मोर्चा संभाले रहीं, जिससे यह साफ़ जाहिर हुआ कि प्रदेश में संगठन को मज़बूत करने को लेकर उनका समर्पण कितना गहरा है। कार्यशाला से पूर्व रूबी खान ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में AICC कार्यालय में इमरान प्रतापगढ़ी और उत्तर प्रदेश प्रभारी माननीय अविनाश पांडे से मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक विभाग के संगठन सृजन व सशक्तिकरण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और आगे की रणनीति तय की गई। कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों को मार्गदर्शन दिया गया और संगठन निर्माण के लिए जमीनी स्तर पर काम करने के निर्देश भी साझा किए गए। इस मौके पर इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि यूपी के अल्पसंख्यक विभाग को अगले 15 दिनों के भीतर अध्यक्ष मिल जाएगा। 100 दिनों के भीतर विधानसभा स्तर तक अल्पसंख्यक कांग्रेस अपना संगठन खड़ा करेगी। कार्यक्रम की सफलता का श्रेय रूबी खान उत्तरप्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के हर कर्मठ कार्यकर्त्ता को देती हैं। रूबी खान ने इस अवसर पर कहा कि हमारा मक़सद संगठन को ज़मीनी स्तर तक मज़बूत करना है ताकि कांग्रेस की विचारधारा को हर वर्ग तक पहुँचाया जा सके। इमरान प्रतापगढ़ी की मौजूदगी ने हम सभी को एक नई ऊर्जा दी है।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का 4.10 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री के साथ हुआ समापन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किया जा रहा दस दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 रविवार को सम्पन्न हो गया। मेले में 4.10 करोड़ रुपये से अधिक के मसालों और अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। यह अब तक की सर्वाधिक बिक्री है और विगत वर्ष से करीब एक करोड़ रुपये अधिक है। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने समापन समारोह में श्रेष्ठ स्टॉल्स को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर पुरस्कृत किया। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सहकारिता विभाग और कॉनफेड वर्ष 2003 से राष्ट्रीय स्तर के इस मसाला मेले की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं। यह मेला सहकारी समितियों को व्यवसाय में वृद्धि का एक बेहतर प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

नगर निगम ग्रेटर की सख़्त कार्यवाही

-अस्थाई अतिक्रमण हटाकर 8 केन्टर सामान जब्त, 16 हज़ार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर की तरफ से शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के कई इलाकों में फैले अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया। ये पूरी कार्रवाई आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर और उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा की निगरानी में की गई।नगर निगम की सतर्कता टीम ने एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेंटर, बांगड़, जेके लॉन, नारायण सिंह सर्किल, शांतिपथ, बिड़ला मंदिर और मानसरोवर जोन जैसे इलाकों में अभियान चलाया। शिप्रा पथ से लेकर गंगा जमुना पेट्रोल पंप (मानसरोवर) तक रास्तों से ठेलों, दुकानों और फुटपाथों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान 8 केन्टर सामान जब्त किया गया और अतिक्रमण करने वालों से मौके पर ही 16 हजार रुपये का चार्ज भी वसूला गया। निगम की टीम ने लोगों को समझाया और चेतावनी दी कि अगर आगे से फिर अतिक्रमण किया गया, तो सख्त जुर्माना और कार्रवाई की जाएगी।

सतर्कता उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर, बांगड़, जेके लॉन, नारायण सिंह सर्किल, शान्तिपथ, बिड़ला मन्दिर तथा मानसरोवर जोन के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए शिप्रा पथ से गंगा जमुना पेट्रोल पम्प मानसरोवर तक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 8 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 16 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

विजय शाह की आपत्तिजनक टिप्पणी पर वेलफेयर पार्टी ने उठाई कानूनी कार्रवाई की माँग

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की करनल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी और उन्हें "आतंकवादियों की बहन" कहने के मामले ने सियासी हलकों में बवाल खड़ा कर दिया है। इस पर सख़्त रुख़ अपनाते हुए वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, जयपुर ज़िला इकाई ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को संबोधित ज्ञापन जिला कलेक्टर जयपुर के माध्यम से भेजा। वेलफेयर पार्टी ने अपने पत्र में मांग की है कि मंत्री विजय शाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त की जाए। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भी एक अलग पत्र भेजा है, जिसकी रजिस्ट्री रसीद और पत्र की प्रतियां संलग्न की गई हैं। इसके साथ ही पार्टी ने जयपुर में आयोजित भाजपा की तिरंगा यात्रा के दौरान हवा महल क्षेत्र की विधायक द्वारा कथित रूप से तिरंगे के अपमान का मुद्दा भी उठाया है। इस संबंध में थाना शास्त्री नगर को एक लिखित रिपोर्ट रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजी गई है। इस समस्त कार्रवाई की जानकारी वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के जयपुर ज़िला अध्यक्ष फ़िरोज़ुद्दीन ने दी। उन्होंने कहा कि देश की सेना और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हम लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीक़े से न्याय की माँग कर रहे हैं।

हेरिटेज निगम की वेंडिंग जोन समिति की बैठक सम्पन्न

-वेंडिंग जोन और अवैध डेयरियों पर सख़्ती के संकेत

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर हेरिटेज की फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति की बैठक शुक्रवार को निगम मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति चेयरमैन रवि प्रकाश सैनी ने की, जिसमें समिति के सभी सदस्य और सचिव अनदा राम मौजूद रहे। सचिव द्वारा प्रस्तावों को पढ़कर सुनाया गया और समिति सदस्यों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में वेंडिंग जोन स्थापित करने, स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित करने, डेयरी बूथों की स्थिति और अवैध डेयरी बूथों के मसले पर विस्तार से चर्चा हुई। चेयरमैन रवि प्रकाश सैनी ने जानकारी दी कि कुछ क्षेत्रों में अवैध रूप से बनते वेडिंग जोन के खिलाफ सतर्कता शाखा द्वारा कार्रवाई के लिए प्रस्ताव पारित किया गया है। इसके साथ ही सार्वजनिक बस स्टैंडों पर व्यवस्थित वेडिंग जोन बनाने के मुद्दे पर भी विचार किया गया, जिससे न केवल फुटकर व्यवसायियों को उचित स्थान मिल सके, बल्कि ट्रैफिक व्यवस्था और नागरिक सुविधा में भी सुधार हो।

नशीला पदार्थ देकर की गई डकैती का पर्दाफाश

-नेपाल भागने से पहले दोनों आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी मे एक सनसनीखेज डकैती की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो नेपाली अभियुक्तों को नेपाल भागने से पहले उत्तराखंड बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 14 मई 2025 को सामने आई, जब परिवादी रोहित सिंह ने थाना वैशालीनगर जयपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके मामा संदीप चौधरी, मामी ममता चौधरी और नानी कृष्णा चौधरी आनंद नगर वैशालीनगर में निवास करते हैं। घरेलू कार्य हेतु उन्होंने 28 अप्रैल को एक प्लेसमेंट एजेंसी से नेपाली दंपत्ति भरत घनश्याम बिष्ट और उसकी पत्नी काजल को काम पर रखा था। यह दंपत्ति घर के प्रथम तल पर बने सर्वेंट क्वार्टर में रह रहा था। घटना वाले दिन परिवादी को उनके मामा ने फोन कर बताया कि नानी और मामी बेहोश हैं और संदेह है कि उन्हें नौकरों द्वारा नशीला पदार्थ दिया गया है। परिवादी ने मौके पर पहुंचकर देखा कि घर में मामा की अलमारी टूटी हुई थी, दरवाजे पर निशान थे, और नानी के कमरे में उल्टी व खून के निशान थे। कीमती सामान गायब था। पीड़ितों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस रिपोर्ट पर थाना वैशालीनगर में मुकदमा संख्या 157/2025 भारतीय न्याय संहिता की धारा 123, 306, 109 व 3(5) बीएनएस में दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार, IPS के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के सुपरविजन और सहायक पुलिस उपायुक्त आलोक गौतम के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में रवीन्द्र सिंह नरूका थानाधिकारी वैशालीनगर, गणेश सैनी प्रभारी डीएसटी, विमलेश कुमार, ईश्वर सिंह, हेमलता शर्मा, माल सिंह सहित कुल 30 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल किए गए। घटनास्थल पर जाकर फिंगरप्रिंट एकत्रित किए गए, सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, और इलाके में सघन पूछताछ की गई। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की सूचना पर पता चला कि आरोपी नेपाल भाग सकते हैं।

तत्पश्चात विशेष टीमों को उत्तराखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश बॉर्डर पर रवाना किया गया। 16 मई को बनबसा (उत्तराखंड) नेपाल सीमा पर आरोपी भरत बिष्ट और हरि बहादुर धामी को बॉर्डर पार करने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होंने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। दोनों आरोपी भरत बिष्ट पुत्र घनश्याम बिष्ट, उम्र 28 वर्ष, निवासी जिला धनघडी, सुदूर पश्चिम प्रदेश, नेपाल एवं हरि बहादुर धामी पुत्र गणेश बहादुर धामी, उम्र 29 वर्ष, निवासी जिला बजंग, सुदूर पश्चिम प्रदेश, नेपाल। दोनों ही नेपाल के सुदूर पश्चिमी राज्यों के निवासी हैं के रहने वाले हैं।

पुलिस की कार्यवाही में निम्नलिखित पुलिसकर्मियों का विशेष योगदान रहा:

रवीन्द्र सिंह नरूका, गणेश सैनी, विमलेश कुमार, ईश्वर सिंह, हेमलता शर्मा, माल सिंह, पवन कुमार, सुनील कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, सुरेन्द्र, दिनेश, रणबीर सिंह, भरत सिंह, कृष्णचंद, राकेश कुमार, राजेन्द्र कुमार, रामेश्वर लाल, कोमल सिंह, प्रदीप सिंह, श्रीराम, बीरबल, रविन्द्र, विक्रम सिंह, ललीत्ता, विनोद कुमार, हरि प्रसाद, देवेन्द्र, विजय कुमार, आशीष कुमार और सोहन कुमार। इसके अतिरिक्त दिल्ली पुलिस और उत्तराखंड पुलिस का भी अहम सहयोग प्राप्त हुआ। फिलहाल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में कई राज्यों में दबिश दी जा रही है और पुलिस का प्रयास है कि जल्द से जल्द सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए।

आठ साल से फरार पोक्सो आरोपी गिरफ्तार

-जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर दक्षिण की जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने एक अहम कामयाबी हासिल करते हुए करीब 8 साल से फरार चल रहे एक वांछित पोक्सो आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर ₹20,000 का इनाम घोषित था और वह पुलिस थाना श्याम नगर में दर्ज एक गंभीर प्रकरण में लंबे समय से वांछित चल रहा था। आईपीएस दिगंत आनन्द, पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ने बताया कि जिले में सक्रिय वांछित एवं ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत सभी थानाधिकारियों और जिला स्पेशल टीम को सख्त निर्देश दिए गए हैं। अभियान को सफल बनाने में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा के मार्गदर्शन और सहायक पुलिस आयुक्तों की निगरानी में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

गिरफ्तारी की कार्रवाई:

डीएसटी जयपुर दक्षिण की टीम ने पुलिस थाना श्याम नगर के प्रकरण संख्या 390/2017 — जिसमें धारा 363, 366, 342, 376 आईपीसी और 3/4 पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है, के वांछित आरोपी राजेश सैनी पुत्र श्री गणेश सैनी, जाति माली, उम्र 21 वर्ष, निवासी सिमडिया रोड, गांव वाटिका, थाना सांगानेर सदर, जिला जयपुर दक्षिण को 16 मई 2025 को मुखबिर की सूचना के आधार पर दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी बेहद चालाक और शातिर किस्म का अपराधी है। प्रकरण दर्ज होने के बाद वह अपने मूल निवास स्थान से गायब होकर अलग-अलग जगहों पर निवास बदलते हुए फरारी काट रहा था। लंबे समय तक गिरफ्तारी नहीं होने के कारण 15 मई 2025 को कार्यालय द्वारा ₹20,000 के इनाम की घोषणा की गई थी।

जातिगत जनगणना पर सरकार जवाब दे, साजिशों से कांग्रेस नहीं डरेगी: धर्मेंद्र राठौड़

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा संविधान बचाओ रैली व जातिगत जनगणना कराओ और तारीख बताओं के मुद्दे को लेकर सोमवार को बनी पार्क स्थित जिलाधीश कार्यालय के बाहर जयपुर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जिला समन्वयक व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया। धरना प्रदर्शन के दौरान संबोधित करते हुए जिला समन्वयक व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर बरसे। राठौड़ ने कहा कि संविधान की रक्षा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। बावजूद इसके केंद्र की मोदी सरकार लगातार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है और लोकतंत्र को खत्म करने में जुटीं हुई है। ईडी, सीबीआई सहित केंद्र की संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करके लोक सभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के नेताओं को साजिश के तहत निशाना बनाकर कुचलने का कार्य कर रही है, जिसे कांग्रेस पार्टी सहन नहीं करेगी। राठौड़ ने बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लेते कहा कि लोकसभा नेता राहुल गांधी संविधान बचाने और उसकी रक्षा के लिए के लिए देश की जनता के बीच जा रहे है और देशभर में आवाज उठा रहे है, जिससे भाजपा डरी हुई है और आए दिन सियासी षड्यंत्र की राजनीति पर उतरी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेंगे और मोदी सरकार को करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दबाव में जातिगत जनगणना बिल पारित तो कर दिया, लेकिन यह कब लागू होगा, ये अभी तक सरकार नेनहीं बताया। जातिगत जनगणना के नाम पर मोदी सरकार वोटो की राजनीति नहीं करे और नाहीं जनता को गुमराह करे, बल्कि तारीख बताए कब से जातिगत जनगणना शुरू होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भारत व पाकिस्तान के बीच हुए सीज फायर के लिए प्रधानमंत्री से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष सत्र नहीं बुला रहे है। प्रधानमंत्री मोदी देश की जनता और विपक्ष के नेताओं को बताए कि सीज फायर की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? धरना प्रदर्शन को कई वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी, विधायक रफीक खान, विधायक अमीन कागजी, पूर्व विधायक गंगा देवी, अर्चना शर्मा, पुष्पेन्द्र भारद्वाज सहित काँग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

मदरसा ज़ीनतुल उलूम का वार्षिकोत्सव, डीएमओ अभिषेक सिद्धा ने बताई सफलता की कुंजी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हसनपुरा क्षेत्र के मदरसा ज़ीनतुल उलूम (पंजीयन संख्या 910) में 16 मई को वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदरसे की प्रधानाध्यापक परवीन बानो ने की। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्धा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करने वाला पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। सिद्धा ने मदरसों के शैक्षिक विकास पर बल देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मदरसों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, और यह भूमिका शिक्षा के माध्यम से ही निभाई जा सकती है। उन्होंने छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यदि सभी छात्राएं सोफिया कुरैशी जैसी प्रेरणास्रोत बनें, तो भारत विश्व पटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षा अनुदेशक मोहसिन खान का विशेष योगदान रहा, उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई।

नगर निगम हेरिटेज जयपुर की बड़ी कार्रवाई

- शहर के कई इलाकों से अस्थाई अतिक्रमण हटाए, चार ट्रक सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की सतर्कता शाखा ने महापौर कुसुम यादव के निर्देश पर उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में शहर के प्रमुख इलाकों में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। चांदपोल, राजभवन, सिविल लाइन, ज्योतिबा फुले कॉलेज, स्वेज फार्म, श्याम नगर मेट्रो स्टेशन, पुरानी चुंगी, पंचशील कालोनी और अजमेर रोड जैसे क्षेत्रों में की गई कार्रवाई के दौरान कुल चार ट्रक सामान जब्त किया गया। साथ ही अतिक्रमण करने वालों से 18,000 रुपए का चालान भी वसूला गया। यह कदम नगर निगम हेरिटेज की ओर से शहर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण प्रयास है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

तुर्की की वस्तुओं का भारत में बहिष्कार शुरू

भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध की मार अब तुर्की पर भी पड़ने लगी है। तुर्की, अज़रबैजान और चीन ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया। तुर्की ने पाकिस्तान को अति आधुनिक ड्रोन, मिसाइल एवं एंटी मिसाइल सिस्टम दिए, जिनका पाकिस्तान ने भारतीय ठिकानों पर आक्रमण करने में इस्तेमाल किया। तुर्की के ड्रोन के कारण पाकिस्तान भारत का कुछ हद तक मुकाबला कर सका। यही नहीं तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोगान ने पाकिस्तान के पक्ष में स्टेटमेंट भी दिए और खुलकर साथ देने का ऐलान भी किया। तुर्की की इस हरकत से भारत और भारत की जनता बेहद नाराज दिखाई दे रही है। भारत सरकार ने तो आधिकारिक तौर पर तुर्की के साथ व्यापार रोकने की कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन भारत के कुछ व्यापारियों ने तुर्की के साथ आयात निर्यात रोकने और तुर्की देश की बनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए आंदोलन चलाया है। वैसे भारत तुर्की को 6.65 अरब डॉलर का निर्यात करता है और 3.78 अरब डॉलर का आयात करता है। भारत तुर्की व्यापार अधिशेप भारत के पक्ष में है। भारत में तुर्की के प्रति काफी नफरत देखी जा रही है। वैसे यदि भारत तुर्की के बीच आयात निर्यात रुकता है तो इसका नुकसान भारत को ज्यादा होगा, क्योंकि भारत तुर्की की वस्तुओं का निर्यात ज्यादा करता है और आयात कम करता है। भारत वर्तमान में आईडियोलॉजी पर चलने वाला देश बन गया है। आर्थिक रूप से भारत को कितना भी नुकसान हो फिर भी वह संबंध नहीं रखता है। इसका उदाहरण इज़राईल माना जा सकता है। भारत ने इजराईल से अच्छे संबंध कायम किए, जबकि दर्जनों मुस्लिम देश इजराईल से दुश्मनी रखते हैं। इजराईल की बजाय भारत की पूर्ववर्ती सरकारों ने फिलिस्तीन की स्वतंत्रता का समर्थन किया था, लेकिन भारत की वर्तमान सरकार इजराईल का एक तरफा समर्थन करती है और फिलिस्तीन उसकी प्राथमिकता में नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि भारत और तुर्की के संबंधों में दूरियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि तुर्की ने दुश्मन देश पाकिस्तान का एक तरफा समर्थन करके भारत से दुश्मनी मोल ली है। वैसे भारत और तुर्की एक दूसरे के पड़ौसी देश नहीं हैं। इसलिए दोनों के बीच सीमाओं पर युद्ध जैसी गतिविधि नहीं हो सकती है। तुर्की प्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ देकर भारत से दुश्मनी निकाल सकता है या फिर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ बोल सकता है। तुर्की का पाकिस्तान के प्रति लगाव ऐसे ही दिखाई नहीं दे रहा है, तुर्की पाकिस्तान को इस्लाम के नाम पर भाई-भाई बता रहा है। लेकिन इसके पीछे तुर्की की मंशा कुछ और ही दिखाई दे रही है। तुर्की विश्व में मुस्लिम देशों का खलीफा बनना चाहता है, क्योंकि तुर्की 13वीं से 18वीं सदी तक बड़ा साम्राज्य रह चुका है और अपनी पुरानी बादशाहत कायम करना चाहता है। इसके लिए वह तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व में शक्तिशाली बनने के लिए किसी देश के पास परमाणु हथियार होना जरूरी है। तुर्की क्योंकि खुद परमाणु हथियार बना नहीं सका है, इसलिए पाकिस्तान से परमाणु तकनीक हासिल करने के लिए तुर्की उसका साथ आगे बढ़कर दे रहा है। पाकिस्तान पर कोई भरोसा नहीं करता कि वह परमाणु हथियारों के प्रयोग के मामले में गंभीर देश है। पाकिस्तान तुर्की को परमाणु तकनीक दे सकता है? तुर्की को एक बार परमाणु बम बनाने की तकनीक मिल जाने के बाद वह अपनी असलियत दिखाने में देर नहीं करेगा। तुर्की का पाकिस्तान को आगे बढ़कर मदद करने के पीछे परमाणु बम बनाने की तकनीक हासिल करने का लक्ष्य दिखाई देता है।

विश्व संग्रहालय दिवस पर ख़ास:

मौलाना आज़ाद अरबी-फारसी रिसर्च सेंटर: टोंक की सांस्कृतिक शान

18 मई को पूरी दुनिया में विश्व संग्रहालय दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मक़सद हमारी सांस्कृतिक विरासत और म्यूज़ियम्स की अहमियत को समझाना होता है। ऐसे मौक़े पर राजस्थान के टोंक शहर में मौजूद मौलाना अबुल कलाम आज़ाद अरबी-फारसी रिसर्च सेंटर का ज़िक्र ज़रूरी हो जाता है। ये सिर्फ़ एक अनोखा म्यूज़ियम ही नहीं, बल्कि इसमें मज़हब, इतिहास, अदब और विज्ञान से जुड़ी बेहद कीमती किताबें और दस्तावेज़ संभालकर रखे गए हैं।

राजस्थान की ज़मीन पर है किताबों का ख़ज़ाना

ये संस्थान दुनिया भर के रिसर्च स्कॉलर्स के लिए एक अहम जगह बन चुका है। अब तक करीब 50 देशों के जानकार यहां आकर रिसर्च कर चुके हैं। हाल ही में फ्रांस से एक टीम यहां पहुंची थी। यहां रखी गई किताबें और पांडुलिपियाँ (हस्तलिखित किताबें) इतनी खास हैं कि इन्हें और कहीं देखना बहुत मुश्किल है। यही वजह है कि ये इदारा सिर्फ राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान की एक अलग पहचान है। इस इदारे की बुनियाद टोंक रियासत के तीसरे नवाब मोहम्मद अली ख़ान ने रखी थी। उन्होंने 1864 से 1867 तक हुकूमत की और बाद में बनारस चले गए। वहीं रहते हुए उन्होंने करीब 25 हज़ार बेहद पुरानी और हाथ से लिखी किताबों का ज़खीरा जमा किया। उन्होंने ईरान, इराक, मिस्र जैसे मुल्कों से आलिमों को बुलाकर धार्मिक और ऐतिहासिक किताबों का अनुवाद और तहरीर (लेखन) करवाया। बाद में उनके बेटे अब्दुल रहीम ख़ान ने ये बेशकीमती ख़ज़ाना बनारस से वापस टोंक लाकर इस इदारे की बुनियाद रखी।

किताबें जो अब भी वक़्त को ज़िंदा रखे हुए हैं

4 दिसंबर 1978 को राजस्थान के उस समय के मुख्यमंत्री भैरो सिंह शेखावत ने इस इदारे को निदेशालय का दर्जा दिया। इसके बाद यह एक पूरी तरह से सरकारी शोध केंद्र के तौर पर काम करने लगा। आज इस संस्थान में हजारों की संख्या में अनमोल किताबें और दस्तावेज़ सुरक्षित हैं। यहां 8513 हाथ से लिखी गई किताबें, 31432 से ज्यादा छपी हुई किताबें, 17701 पत्रिकाएं और रिसर्च जनरल्स, 719 पुराने शाही फरमान हुक्मनामे, 65000 इस्लामी कानून से जुड़े दस्तावेज़ और 9699 पांडुलिपियां रखी हैं। इसके अलावा यहां बैतुल हिकमत नाम की एक पुरानी और खास लाइब्रेरी भी है, जिसमें 65032 किताबें मौजूद हैं। इन सभी दस्तावेजों और किताबों में अरबी, फारसी, उर्दू, हिंदी, संस्कृत और कई अन्य भाषाओं की ऐसी दुर्लभ और अहम जानकारियाँ हैं, जो न सिर्फ इतिहास को ज़िंदा रखती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अनमोल धरोहर हैं।

दुनियाभर में खास पहचान

यहां फारसी ज़बान में लिखी रामायण, महाभारत और श्रीमद्भगवद्गीता भी रखी हुई हैं। इसके अलावा यूनानी चिकित्सा, जानवरों की दवा, खगोलशास्त्र, गणित, भूगोल, दवाओं, संगीत, अदब और सूफी फिक्र से जुड़ी किताबें भी यहां मिलती हैं। दो ऐसी किताबें भी यहां मौजूद हैं जिन्हें मंगोल हमलावर हलाकू ने तबाह करना चाहा था, लेकिन वो किसी तरह बचा ली गईं।

ये किताबें 1200 ईस्वी से भी पुरानी हैं। 1986 में देश के उस समय के राष्ट्रपति ज्ञानी ज़ैल सिंह यहां आए थे और कहा था कि ये इदारा मुल्क की गंगा-जमुनी तहज़ीब का एक बेहतरीन नमूना है। उन्होंने कहा था कि यहां की हस्तलिखित किताबों का उर्दू और हिंदी में तर्जुमा कराना चाहिए। 1982 में उपराष्ट्रपति हिदायतुल्ला ख़ान ने भी यहां के काम की तारीफ की थी। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर की प्रोफेसर डॉ. आयशा मुख़्तार का कहना है कि टोंक की पहचान अब ब्रिटिश म्यूज़ियम तक में दर्ज है और इसकी वजह यही रिसर्च सेंटर है।

टोंक की पहचान और विरासत

टोंक सिर्फ़ एपीआरआई (APRI) यानी इस रिसर्च सेंटर तक सीमित नहीं है। सुनहरी कोठी, ईदगाह कोठी, सआदत अस्पताल, एजेंटी बंगला, कोठी नातमाम, दरबार स्कूल, गुलज़ार बाग और सर्किट हाउस जैसी कई पुरानी इमारतें आज भी काम में आ रही हैं। लेकिन मौलाना अबुल कलाम आज़ाद रिसर्च सेंटर वो जगह है जो मज़हब, इतिहास, इल्म और तहज़ीब का ऐसा संगम है जिसे सिर्फ़ देखने की नहीं, बल्कि बचाने और सहेजने की ज़रूरत है।

इतने अहम इदारे के सामने आज कई मुश्किलें भी हैं। यहां 45 मंज़ूरशुदा पोस्ट्स (पदों) में से 35 पोस्ट्स सालों से खाली हैं। रिसर्च अफसर तक की नियुक्ति नहीं हुई है।

28 साल पहले भर्ती के पुराने नियम ख़त्म कर दिए गए थे, लेकिन अब तक नए नियम नहीं बने। पिछली सरकार ने यहां म्यूज़ियम बिल्डिंग के लिए तीन करोड़ रुपये का बजट पास किया था, मगर वो सिर्फ़ काग़ज़ों तक ही रह गया।

यह इदारा सिर्फ टोंक या राजस्थान की नहीं, बल्कि पूरे मुल्क की सांझा विरासत और विद्वता का एक शानदार प्रतीक है। इसकी हिफाज़त के लिए हुकूमत, समाज और पढ़े-लिखे लोगों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे ताकि यह धरोहर आने वाली नस्लों तक महफ़ूज़ रह सके।

भारतीय स्वतंत्रता के प्रसिद्ध सेनानी एडवोकेट आसफ अली

आसफ अली एक महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे और पेशे से वकील भी, उनका जन्म 11 मई 1888 को भारत के बिजनौर उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई सेंट स्टीफन कॉलेज दिल्ली से की थी। वह भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले राजदूत बने। सन 1914 में भारतीय मुस्लिम समुदाय पर ब्रिटिश साम्राज्य का बड़ा प्रभाव पड़ा। उसी दौरान आसफ अली ने तुर्की खिलाफत पक्ष का समर्थन किया और पूर्वी काउंसलिंग से इस्तीफा दे दिया। 1914 में भारत लौट आए। फिर वह एक आंदोलनकारी के रूप में राष्ट्रवादी आंदोलन में शामिल हो गए। 1919 में उन्होंने आंदोलन में शामिल होकर ब्रिटिश सरकार का विरोध किया और 1920 से 1921 में गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भी सक्रिय रहे। 8 अप्रैल 1928 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त द्वारा दिल्ली केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया तो उनके बचाव पक्ष के वकील और मुकदमे की पैरवी में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। 1928 के दौरान इन्होंने अरुणा गांगुली नामक हिंदू लड़की से शादी की। 1935 में मुस्लिम राष्ट्रवादी पार्टी के सदस्य के रूप में इन्हें केंद्रीय विधानसभा के लिए चुना गया। वह मुस्लिम लीग के उम्मीदवार के खिलाफ कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में निर्वाचित हुए और फिर उन्हें उपाध्यक्ष के रूप में भी चुना गया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भी इनकी अहम भूमिका थी उसी दौरान मुंबई में गोवालिया टैंक मैदान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ध्वज से उगहाने के लिए इनकी पत्नी को भी व्यापक रूप से याद किया जाता है। 2 सितंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारत सरकार के रेलवे व परिवहन प्रभारी बने।

फरवरी 1947 से फरवरी 1949 तक अमेरिका में भारत के पहले राजदूत के रूप में इन्होंने कार्य किया। 1 अप्रैल 1953 से 64 वर्ष की आयु में स्विट्जरलैंड में भारत के राजदूत के रूप में सेवा के दौरान ही उनका निधन हो गया। 1989 में भारतीय डाक विभाग ने उनके उत्कृष्ट कार्य एवं सम्मान के रूप में एक डाक टिकट जारी किया था। उसी दौरान उनकी पत्नी को भी भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से भी नवाजा गया था।

मौलाना लियाकत अली:- इलाहाबाद के एक महान क्रांतिकारी नेता

1857 में जब हिंदुस्तानियों ने अंग्रेजो के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया तो उस वक्त बगावत की लपटें इलाहाबाद और उसके आसपास के इलाकों में पहुंच चुकी थी। इलाहाबाद में बगावत की आवाज वहां के पंडितों ने उठाई तथा इस जंग में कयादत के लिए मौलवी लियाकत अली को चुना गया। यह जंग लंबी तो नहीं चली पर अंग्रेजों में उनके नाम का खौफ इस कदर था कि उनके नाम से मैदान छोड़कर भागने लगते। महगांव (कौशांबी) में 17 जुलाई 1817 को लियाकत अली खान का जन्म हुआ था। लियाकत अली खान के चाचा ने बचपन में ही उन्हें गोद ले लिया था। मदरसे से इस्लामिक रीति-रिवाजों के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने के बाद लियाकत अली पेश इमाम हो गए तथा मदरसे में पढ़ाने लगे। 1857 की क्रांति के समय सम्राट बहादुरशाह जफर ने उनको इलाहाबाद का गवर्नर घोषित किया था। बेगम हजरत महल समेत अन्य बड़े क्रांतिकारियों के वे संपर्क में थे। मौलाना लियाकत अली को जागीरदारों तथा आम जनता ने अंग्रेजों को बाहर भगाने में खूब सहयोग किया उनकी सेना में हिंदू, मुस्लिम, सिख सभी सैनिक थे। लियाकत अली व्यूह रचना में माहिर थे। 7 जून 1857 को पूरे इलाहाबाद शहर को अंग्रेजों से आजाद करवा दिया था। शहर को आजाद कराने के बाद 10 दिनों तक उनके साथ ही क्रांतिकारी तहसीलदार, नायब और कोतवाल भूमिका में रहे मौलवी लियाकत अली ने अंत तक बहादुरी से लड़ाई लड़ी, लेकिन 17 जून को प्रतिकूल परिस्थितियों में युद्ध क्षेत्र छोड़ना पड़ा। कानपुर से भागकर लियाकत अली मुंबई में भेष बदलकर रहने लगे। उन पर ब्रिटिश सरकार ने 5000 रुपये का इनाम घोषित कर दिया।

लगभग 14 वर्ष तक गुमनामी में रहे। इस क्रांतिवीर को सितंबर 1871 में मुंबई में एक मुखबिर ने पहचान लिया।और 1873 में उनको आजीवन कारावास की सजा सुनाई और अंडमान जेल भेज दिया गया, जहां 17 मई 1881 को बंदी रहते हुए उनकी मृत्यु हुई और उनको कालापानी में ही दफनाया गया। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के छक्के छुड़ा का आज़ादी का झंडा फहराने वाले मौलवी लियाकत अली की तलवार व कुर्ते को इलाहाबाद संग्रहालय में जून 2021 को ससम्मान प्रदर्शित किया गया।

हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम का वाकिया

हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम अपने ज़माने के बादशाह थे। वह शहर बलख पर हुकूमत किया करते थे। उनकी सल्तनत एक बड़ी सल्तनत थी। लेकिन जब उन पर इश्क ए हकीकी का असर व ग़लबा हुआ तो बादशाही और सल्तनत ए बलख से उनका दिल उचाट हो गया और वह हरदम याद ए इलाही में मसरूफ रहने लगे। सलतनते शाही से उनके दिल के उचाट होने का वाक़िया यह है कि एक रात वोह अपने महल की छत पर सो रहे थे कि हक़तआला ने चन्द फरिश्तों को इन्सानी सूरत में उनके पास भेजा। हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम शाही महल में रात के वक्त इन इंसानों की आहट पाकर दिल में सोचने लगे कि शाही महल में कुछ मुहाफिज़ों के होते हुए किसी इंसान की ऐसी हिम्मत और जुरअत नहीं हो सकती है। यह शायद जिन्नात में से हैं। आपने उन से दरयाफ्त फरमाया कि आप लोग यहां कैसे तशरीफ लाये है। इन आने वाले लागों ने फरमाया कि हम लोग अपने ऊटों की तलाश में फिर रहे हैं। हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने फरमाया कि ऊँट शाही महल की छत पर छलांग लगाकर कैसे आ सकते हैं? पस उन ग़ैबी इन्सानों (फरिश्तों) ने फरमाया बेशक ऊँट शाही महल की छत पर नहीं आ सकते लेकिन फिर तू शाही तख्त पर बैठ कर अल्लाह की तलाश में क्यूं मसरूफ है और क्यूं हर वक़्त यादे इलाही में हमातन डूबा रहता है। क्या शाही तख़्त पर बैठकर तू शहनशाह ए हक़ीक़ी तक पहुंच सकता है? यह कह कर वो फरिश्ते इब्राहिम अलैहिस्सलाम की नज़र से गायब हो गये।

हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम के दिल पर फरिश्तों के कलाम से एक गहरी चोट लगी। सल्तनत से उनका दिल फिर गया और अल्लाह की मोहब्बत में सल्तनत का तख्तोताज सब छोड़ दिया और शाही महल से निकल कर अल्लाह के लिये गुरबत के साथ दोस्ती करली। अल्लाह की याद और उसकी बन्दगी में उनको एसा लुत्फ आने लगा कि वो शानो शोकत उनके दिल से खत्म हो गयी। उन्होंने यह ठान ली कि अल्लाह तआला की बन्दगी सुल्तानी से बेहतर है और अल्लाह पर जो हमारा महबूबे हक़ीक़ी है तख़्तो ताज और अपनी जान को कुरबान कर देना हजारों सलतनतों और शाहाना ज़िन्दगीयों से बेहतर है। दुनिया की हजारों सल्तनतें अल्लाह की गुलामी पर कुरबान कर देने पर भी उसकी नवाज़िशों और इनायतों और नेमतों का हक़ अदा नहीं हो सकता। इस कैफियत को मिर्ज़ा ग़ालिब ने अपने शेर में इस तरह बयान किया है।

जान दी हुई उसी की थी -हक़ तो है कि हक़ अदा ना हुआ

हक़ तआला जब किसी बन्दे को अपना बना लेते हैं तो उसकी मुजाहिदें में आधी जान ले लेते हैं और इसके एवज़ में सौ जान अता फरमाते हैं और एसी एसी नेमतें अता फरमातें हैं कि हमारे गुमान मे भी नहीं आ सकतीं। जब हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने सल्तनत छोड़ दी, अल्लाह तआला ने उनकी एसी क़दर फ़रमाई कि पहले वो सिर्फ एक महदूद सल्तनत बलख़ के मालिक थे अब उन्हें खुश्की (जमीन) और तरी (दरिया) पर हुकूमत नसीब हो गयी। अल्लाह तआला ने उन्हें वली और दोस्त बना लिया और जमाने में उनको कुतुब यानि औलिया अल्लाह के सरदार का दर्जा अता फरमाया।

एक रोज़ हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम दरिया के किनारे अपनी गुदड़ी सी रहे थे कि उनकी सल्तनत का एक वज़ीर उस तरफ से गुज़रा। वजी़र ने बादशाह को इस गुरबत में गुदड़ी सीते हुए देखा तो दिल में सोचा कि इन्होंने अपने तमाम शाहना ठाठबाट छोड़कर ओर हुकूमत शाही से दस्त बरदार होकर इस तंगदस्ती और फ़क़ीराना जिन्दगी को इख्तेयार किया है, नामालूम यह कैसी अक़लमन्दी है। अल्लाह तआला ने वजी़र के इस ख्याल को हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम पर मुनकसिफ (जाहिर) फरमाया। पस हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अपनी सुई दरिया में फेंक दी और हुक्म दिया कि ऐ मछलियों! मेरी सूई लाओ। इस हुक्म का सूनना था कि सौ हजा़र मछलियां सोने की सुई अपने-अपने लबों में दबाए हुये दरिया के किनारे हाज़िर होकर अर्ज़ करने लगीं कि हज़रत सुई हाज़िर है। हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अर्ज़ किया कि ए अल्लाह में अपनी सुई चाहता हूं। पस इनता कहना था कि एक मछली वोह खास सुई लेकर हाज़िर हुई, जिसको हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने दरिया मे फेंका था।

उस वक्त हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने उस वजीर से फरमाया कि "दिल की सल्तनत बेहतर है या मुल्क हक़ीर की" उस वक्त वजी़र ने एक सांस खींची और कि अफसोस दरिया की मछलियां तो इस अल्लाह वाले को पहचानती हैं और मैं इंसान होकर भी कुतुब ए जमा यानी जमाने के ओलिया अल्लाह के सरदार से बेखबर हूं।

मैं इंसान होकर भी बदबख्त नसीब का हेटा और ना समझ हूं और यह मछलियां इस दोलते मारिफ़त के सबब मुझ से कहीं ज़्यादा खुशनसीब हैं। पस वज़ीर ने उस शाहदीन ओलिया अल्लाह के सरदार शाहे बलख़ यानी हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम के सामने सराया अदब बनकर सलाम किया और रोता हुआ दोलत ए इश्क ए हकी़की़ से कामयाब होकर वापस हुआ। मोलाना रूमी रह. अ. ने इस मकाम एक नसीहत फरमाई जोकि फारसी में है जिसका तरजुमा यह है- "पस ए धुला हुआ चहरा रखने वाले यानी नामाकूल और नालायक़ तू किस गुमान में है यह हसद और जंग किन मुक़द्दस और पाकीज़ा नुफूस से करता है, रोशन ए तरीके हक़ से तू मुकाबला करता है, फरिश्तों से दौड़ में सबक़त करता है यानी अल्लाह वालों से बदगुमानी और हसद नहीं करना चाहिए क्योंकि औलिया को अल्लाह तआला की तरफ से बतौर करामात के ऐसी ताकत अता होती है कि कमान से निकले हुये तीर को भी वापस कर लेते हैं।"माखूज अज़ कुतुब इलाहिया""

एडवोकेट हबीबुल्ला, जयपुर

सफ़ा और मरवा की पहाड़ियों का इस्लाम में महत्व

हज और उमराह इस्लाम में बहुत महत्वपूर्ण इबादतें हैं। हर साल लाखों मुसलमान इन यात्राओं पर जाते हैं। हज और उमराह करने का सवाब बहुत बड़ा है, इसलिए मुसलमान जीवनभर इस नीयत से अल्लाह के घर, पवित्र काबा की यात्रा करना चाहते हैं। इन दोनों इबादतों में कई रस्में और धार्मिक क़ुरबानियाँ होती हैं। इनमें से एक मशहूर रस्म है सफा और मरवा की पहाड़ियों के बीच चलना या दौड़ना। यह इस्लामी रस्म का एक अहम हिस्सा है, जिसकी अहमियत से इंकार नहीं किया जा सकता। आइए जानते हैं सफा और मरवा के बारे में हर जरूरी बात।

सफा और मरवा क्या हैं?

सफा और मरवा मक्का, सऊदी अरब के मस्जिद अल-हरम के अंदर एक लंबे गलियारे में स्थित दो ऐतिहासिक पहाड़ियाँ हैं। ये दो पहाड़ियाँ अबू कुबैस और कायकान नाम के बड़े पहाड़ों से जुड़ी हैं। हज और उमराह के दौरान मुसलमानों को आदेश है कि वे इन दो पहाड़ियों के बीच सात बार चलें या दौड़ें। इसे 'सई' कहते हैं, जिसका मतलब होता है चलना, पीछा करना या कोशिश करना। सई एक सुन्नत है, इसलिए हर तीर्थ यात्री को हज और उमराह सही तरीके से करने के लिए यह रस्म पूरी करनी चाहिए। सफा और मरवा के बीच लगभग 450 मीटर (या 1480 फीट) की दूरी है। सात बार सफा से मरवा और मरवा से सफा की यात्रा कुल मिलाकर करीब 3.15 किलोमीटर (या 1.96 मील) होती है। यह रास्ता मस्जिद अल-हरम के गलियारे में आता है। यह रस्म मुसलमानों को यह याद दिलाती है कि जो कोई भी अल्लाह के रास्ते में सब्र और मेहनत करेगा, उसे जरूर इनाम मिलेगा।

सफा और मरवा का इस्लाम में महत्व

सफा और मरवा के बीच दौड़ना या चलना हज और उमराह की मुख्य रस्मों में से है, इसलिए ये पहाड़ियाँ इस्लाम में बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह रस्म हजरत हजरत ह□□□ (रज़ि.) की मिसाल है जिन्होंने अपने बेटे हजरत इस्माइल (अलैहिस्सलाम) के लिए मुश्किल हालात में भी अल्लाह की आज़माइश और उसकी इच्छा के प्रति अटूट विश्वास दिखाया। तीर्थ यात्री सफा और मरवा के बीच चलकर या दौड़कर हजरत हजर (रज़ि.) की इस तपस्या और उनके बेटे के लिए उनके प्यार को याद करते हैं। यह रस्म हमें भी सीख देती है कि जीवन में कठिनाइयों के बावजूद हमें धैर्य और विश्वास बनाए रखना चाहिए।

सफा से मरवा तक चलने में कितना समय लगता है?

पूरे सफर में 3.15 किलोमीटर या 1.96 मील का रास्ता होता है, जिसे चलने में करीब 10 मिनट लगते हैं। 7 बार चलने पर लगभग 2 घंटे 45 मिनट लग सकते हैं, जिसमें दुआ पढ़ने और आराम करने का समय भी शामिल है। सेहत और ताकत के अनुसार समय अलग हो सकता है, इसलिए ज़्यादा मेहनत न करें और पानी पीते रहें।

सफा और मरवा की कहानी

यह कहानी हजरत हजर (रज़ि.) की है, जिन्होंने अपने बेटे हजरत इस्माइल (अलैहिस्सलाम) के लिए पानी खोजने के लिए सात बार सफा और मरवा के बीच दौड़ लगाई। पैगंबर इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) को अल्लाह ने हजरत हाज़रा (रज़ि.) और उनके बेटे को मक्का के एक सूखे, वीरान क्षेत्र में छोड़ने का हुक्म दिया। वहां पानी और राशन कम होने से हजरत हजर (रज़ि.) ने पानी खोजने के लिए इन पहाड़ियों के बीच दौड़ लगाई। अल्लाह के फरिश्ते जिब्रईल (अलैहिस्सलाम) ने ज़मज़म का पानी चश्मा ज़मीन पर बनवा दिया, जिससे हजरत इस्माइल (अलैहिस्सलाम) की जान बच गई। आज वही ज़मज़म का कुआं मस्जिद अल-हरम के अंदर मौजूद है। पैगंबर इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की बीवी हजरत हाज़रा (रज़ि.) ने अपने बच्चे के लिए पानी खोजने के लिए सात बार इन पहाड़ियों के बीच दौड़ लगाई। यह रस्म हजरत हजर (रज़ि.) के संघर्ष और अल्लाह की मदद का प्रतीक है। फरिश्ता जिब्रईल (अलैहिस्सलाम) की मद्धत से ज़मज़म का पानी निकला, इसलिए हम उनके इस संघर्ष की याद में सात बार सफा और मरवा के बीच सई करते हैं।

सफा और मरवा का क़ुरआन में कहाँ जिक्र हैं?

"सफ़ा और मरवा अल्लाह के रीतों में से हैं। जो हज या उमराह करता है, उसके लिए इन दोनों के बीच घूमना कोई गुनाह नहीं। जो अपनी मर्जी से भलाई करे तो अल्लाह उसका शुक्रिया अदा करता है।" [कुरआन 2:158]

सफा और मरवा की पहाड़ियाँ अल्लाह की महत्ता के निशान हैं। ये मस्जिद अल-हरम में काबा के पास हैं और हज-उमराह की अनिवार्य रस्मों का हिस्सा हैं। मुसलमान सात बार इनके बीच चलते या दौड़ते हैं ताकि हजरत हजर (रज़ि.) की संघर्ष भरी कहानी और ज़मज़म की चमत्कारी मदद याद रख सकें।

बख्त खान 1857 की क्रांति के प्रमुख स्तम्भ

बख्त खान एक प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बख्त खान का जन्म 1797 में हुआ था। उनके पिता का नाम रहीम बख्श था। वह एक सैन्य परिवार से ताल्लुक रखते थे और उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा और सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। बख्त खान ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में सेवा की और जल्द ही एक अनुभवी सैनिक बन गए। उन्होंने कई लड़ाइयों में भाग लिया और अपनी बहादुरी और नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते थे। 1857 में, बख्त खान ने सिपाही विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दिल्ली में ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी और विद्रोह के नेताओं में से एक बन गए। वह एक कुशल सैन्य नेता थे और उन्होंने कई लड़ाइयों में ब्रिटिश सेना को हराया। बख्त खान के कुछ महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सिपाही विद्रोह के दौरान भारतीय सेना का नेतृत्व किया और कई लड़ाइयों में ब्रिटिश सेना को हराया।उन्होंने दिल्ली की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी और ब्रिटिश सेना को शहर पर कब्जा करने से रोकने की कोशिश की।

वह सिपाही विद्रोह के नेताओं में से एक थे और उन्होंने विद्रोह को संगठित और निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बख्त खान का निधन 13 मई 1859 में हुआ था, जब वह नेपाल में शरण लिए हुए थे।बख्त खान की विरासत में उनकी सैन्य सेवाएं और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान शामिल है। वह एक बहादुर और अनुभवी सैनिक थे जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और भारतीय स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

मुस्लिम रिश्तें

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है। संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

309 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (JE ATC) पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने 07 अप्रैल 2025 को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर 309 जूनियर एग्जीक्यूटिव (Air Traffic Controller) पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 25 अप्रैल 2025 से 24 मई 2025 तक www.aai.aero पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: JE (Air Traffic Controller)
कुल पद: 309
शैक्षणिक योग्यता:
B.Sc (Physics and Mathematics विषयों के साथ) या B.Tech / B.E किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से
आयु सीमा (24 मई 2025 तक):
अधिकतम आयु: 27 वर्ष
नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट प्रदान की जाएगी।
आवेदन शुल्क:
सामान्य / ओबीसी / EWS उम्मीदवार: ₹1,000 (GST सहित)
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला / दिव्यांग / AAI में 1 वर्ष का अप्रेंटिसशिप कर चुके उम्मीदवार: शुल्क में छूट
महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 25 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 24 मई 2025
चयन प्रक्रिया:
AAI द्वारा चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा, दस्तावेज़ सत्यापन, और वॉयस टेस्ट / मेडिकल टेस्ट शामिल हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु आधिकारिक अधिसूचना पढ़ना अनिवार्य है।सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
आधिकारिक वेबसाइट: www.aai.aero

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 558 पदों पर भर्ती

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) की ओर से स्पेशलिस्ट ग्रेड-2 के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की आखिरी तारीख असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 2 जून 2025 तय की गई है।
आवेदन शुरू : 26 अप्रैल से 26 मई तक
वैकेंसी डिटेल्स:
स्पेशलिस्ट ग्रेड II (Sr. Scale) : 155 पद
स्पेशलिस्ट ग्रेड 2 (Jr. Scale) : 403 पद
कुल पदों की संख्या : 558
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एमडी/ एमएस/ एमसीएच/ डीएम/ डीए/ एमएससी/ डीपीएम के साथ संबंधित क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री।
3 से 5 साल का वर्क एक्सपीरियंस
एज लिमिट :
अधिकतम 45 साल
अधिकतम उम्र में उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।
सैलरी :
पद के अनुसार 67,700 - 78,800 रुपए प्रतिमाह
इसके अलावा अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे
फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस (पुरुष) : 500 रुपए
एससी/एसटी/दिव्यांग/महिलाएं/ ईएसआईसी कर्मचारी/पूर्व सैनिक : निःशुल्क
सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू के बेसिस पर।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 500 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से चपरासी (Office Assistant/ Peon) के पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 3 मई से शुरू हो चुकी है जो निर्धारित अंतिम तिथि 23 मई 2025 तक जारी रहेगी। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी तय तिथियों के अंदर ऑनलाइन माध्यम से बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरू :
03 मई से 23 मई 2025 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
उम्मीदवारों को राज्य/ क्षेत्र के अनुसार लोकल भाषा का ज्ञान होना चाहिए।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 26 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।
आयु की गणना 1 मई 2025 को ध्यान में रखकर होगी।
फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 600 रुपए
एससी, एसटी, पीएच (दिव्यांग) और सभी वर्ग की महिला उम्मीदवारों को आवेदन फीस 100 रुपए जमा करना होगा।
सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
लोकल लैंग्वेज एफिशिएंसी टेस्ट
सैलरी :
19500 - 37,815 रुपए प्रति माह
अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।
होम पेज पर, 'Careers' टैब पर क्लिक करें।
नया पेज खुलने पर 'Current openings' टैब पर क्लिक करें।
यहां अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकालकर रखें।

NTPC में फ्रेशर के लिए निकली भर्ती; 17 मई से शुरू आवेदन

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NTPC) में 30 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट careers.ntpc.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरू :
17 मई से 31 मई 2025 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
केमिस्ट्री में एमएससी
फ्रेशर या एमएससी फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स भी अप्लाई कर सकते हैं।
एज लिमिट :
अधिकतम 27 साल
एससी, एसटी को 5 साल की छूट
ओबीसी को 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूबीडी को 10 साल की छूट
सैलरी :
30,000 – 1,20,000 रुपए प्रतिमाह
फीस :
जनरल, ओबीसी : 300 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : निःशुल्क
सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन सिलेक्शन टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट careers.ntpc.co.in पर जाएं।
करंट वैकेंसीज चेक करें।
जरूरी डॉक्यमेंट्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन करने के बाद लॉग इन करके फॉर्म भरें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है तथा बीजेएमसी के छात्र-छात्राएं इंटर्नशिप हेतु संपर्क करें।

। वेतन योग्यतानुसार ।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - संपादक, रॉयल पत्रिका, मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर 302002

मोबाइल: 8058969180/9799559096

कांस्टेबल भर्ती 2025, 8 दिन बढ़ाई गई आवेदन करने की मोहलत, 25 मई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10000 पदों के विरुद्ध भर्ती की जा रही है। योग्य उम्मीदवारों को इस चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पूर्व में 17 मई तक आवेदन करने के निर्देश जारी किए गए थे। इस संदर्भ में पुलिस मुख्यालय ने बुधवार को स्पस्ट किया है कि अब उम्मीदवार आगामी 25 मई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि कॉन्स्टेबल भर्ती-2025 के लिए इस कार्यालय की विज्ञप्ति दिनांक 09 अप्रैल,2025 जारी कर योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन-पत्र (online application form) राजकॉम इन्फो सर्विसेज लिमिटेड (RISL) द्वारा संचालित समस्त ई-मित्र कियोस्क, जनसुविधा केन्द्र CSC (Common Service Centre) एंव विभाग की वेबसाईट पर 28 अप्रैल से 17 मई तक आमंत्रित किए गये थे।

एडीजी पाण्डेय ने बताया कि उक्त भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन-पत्र भरने की समयावधि बढाई जाकर अन्तिम 17 मई के स्थान पर 25 मई 2025 तक आवेदकों को ऑनलाईन आवेदन-पत्र भरने का अवसर प्रदान किया जाता है। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को 8 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 2600 पदों पर निकली भर्ती, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने सर्किल बेस्ड ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।
आवेदन शुरू :
9 मई से 29 मई 2025 तक
पोस्ट :
2600
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री
एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित वर्ग को उम्र में छूट एसबीआई नियमों के अनुसार दी जाएगी।
सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन परीक्षा
स्क्रीनिंग टेस्ट
इंटरव्यू
स्थानीय भाषा परीक्षा
फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए
एससी, एसटी, पीएच : निःशुल्क
सैलरी :
48480 - 85920 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाएं।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
नाम, पासवर्ड के साथ लॉग इन करें।
फॉर्म में पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और अन्य डॉक्यूमेंट्स अटैच करें।

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक में 158 पदों पर भर्ती; एज लिमिट 42 साल

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पदों पर भर्ती निकली है। ये भर्तियां केमिस्ट्री, कॉमर्स, कंप्यूटर साइंस, इकोनॉमिक्स, इंग्लिश, हिस्ट्री, हिंदी, लॉ, मैथ्स, पॉलिटिकल साइंस आदि विषयों के लिए की जाएगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.mdu.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरू :
15 मई से 05 जून 2025 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
न्यूनतम 55% अंकों के साथ संबंधित विषय में मास्टर डिग्री, NET, SLET एग्जाम पास/ पीएचडी, रिसर्च पब्लिकेशन जरूरी
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 42 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र सीमा में छूट दी जाएगी।
सैलरी :
प्रोफेसर : 1,44,200-2,18,200 रुपए प्रतिमाह
एसोसिएट प्रोफेसर : 1,31,400-2,17,100 रुपए प्रतिमाह
असिस्टेंट प्रोफेसर : 57,700-1,82,400 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम
फीस :
सामान्य/यूआर, ईएसएम : 1600 रुपए
महिला (हरियाणा निवासी) : 800 रुपए
एससी/बीसी-ए/बीसी-बी/ ईडब्ल्यूएस (हरियाणा) : 400 रुपए
दिव्यांगजन (हरियाणा) : निःशुल्क

'खान साहब' के यहां पर टिफिन सेंटर के लिए स्टाफ की जरूरत

खाना बनाने व ऑफिस की साफ-सफाई (15-20 मिनिट्स) के लिए महिला / पुरुष हेल्पर स्टाफ की जरूरत है ।
जॉब लोकेशन : नियर मुक्ति मार्ग आदर्श नगर/ MD रोड़ जयपुर
ड्यूटी महज 7 से 9 घंटे की है। सैलरी : 8 से ₹ 10,000 तक + दोनों वक्त का खाना फ्री ओवरटाइम की सुविधा उपलब्ध है।
Mob - 9828733222

भारतीय सेना TEC -54 जनवरी बैच के लिए आवेदन शुरू; 12वीं पास को मौका

भारतीय सेना ने 10+2 टेक्निकल एंट्री स्कीम (TES-54) के तहत जनवरी 2026 बैच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरू :
13 मई से 12 जून 2025 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) के साथ
जेईई मेन 2025 में उपस्थित हुआ हो।
एज लिमिट :
न्यूनतम आयु 16 वर्ष 6 माह और अधिकतम आयु 19 वर्ष 6 माह होनी चाहिए।
उम्मीदवारों की डेट ऑफ बर्थ 2 जुलाई 2006 से 1 जुलाई 2009 के बीच होनी चाहिए।
सिलेक्शन प्रोसेस :
जेईई (मेन) स्कोर
शॉर्टलिस्टिंग
एसएसबी इंटरव्यू
मेडिकल टेस्ट
स्टाइपेंड :
ट्रेनिंग के दौरान : 56,100 रुपए प्रतिमाह
ट्रेनिंग के बाद सैलरी :
लेफ्टिनेंट : 56,100-1,77,500 रुपए प्रतिमाह
कैप्टन : 61,300-1,93,900 रुपए प्रतिमाह
मेजर : 69,400-2,07,200 रुपए प्रतिमाह
लेफ्टिनेंट कर्नल : 1,21,200-2,12,400 रुपए प्रतिमाह
कर्नल : 1,30,600-2,15,900 रुपए प्रतिमाह
ब्रिगेडियर : 1,39,600-2,17,600 रुपए प्रतिमाह
मेजर जनरल : 1,44,200-2,18,200 रुपए प्रतिमाह
लेफ्टिनेंट जनरल HAG + स्केल : 2,05,400-2,24,400 रुपए प्रतिमाह
VCOAS/आर्मी कैडर/ लेफ्टिनेंट जनरल (NFSG) : 2,25,000 रुपए प्रतिमाह
COAS : 2,50,000 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
यहां आप अपनी जानकारी भरकर खाता बनाएं।
इसके बाद सभी जानकारी सही-सही भरें।
अब जरूरी दस्तावेज जैसे 12वीं प्रमाणपत्र और फोटो अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें और कन्फर्मेशन पेज का एक प्रिंटआउट ले लें।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस के 135 पदों पर भर्ती; इंजीनियर को मौका

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस के 135 पदों भर्ती 31 मई तक करे आवेदन। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aai.aero पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
किसी भी स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की डिग्री।
संबंधित ट्रेड में आईटीआई/ एनसीवीटी सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।
स्टाइपेंड :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 15,000 रुपए प्रतिमाह
आईटीआई अप्रेंटिस : 9000 रुपए प्रतिमाह
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 12,000 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
क्वालिफिकेशन के बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.aai.aero पर जाएं।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करके रजिस्ट्रेशन करें।
लॉगिन करने के लिए अपनी रजिस्टर्ड जानकारी दर्ज करके सब्मिट करें।

नया आयकर विधेयक-2025: भारत में कर सुधार की दिशा में एक निर्णायक कदम

भारत सरकार ने फरवरी 2025 में संसद के बजट सत्र के दौरान "आयकर विधेयक, 2025" (The Income Tax Bill, 2025) को लोकसभा में प्रस्तुत किया। इस विधेयक का उद्देश्य भारत के कर ढांचे को अधिक सरल, पारदर्शी, डिजिटल और करदाता-मित्र बनाना है। वर्तमान में लागू आयकर अधिनियम, 1961 ने पिछले छह दशकों में अनेक संशोधनों का सामना किया है, जिससे यह अत्यंत जटिल बन चुका है। इसलिए एक नया और समग्र विधेयक लाने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। यह नया विधेयक 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और इसके बाद आयकर अधिनियम, 1961 को समाप्त कर दिया जाएगा। इस लेख में हम इस विधेयक के प्रमुख बिंदुओं, प्रस्तावित बदलावों, लाभों, आलोचनाओं और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

विधेयक लाने की पृष्ठभूमि:

1.जटिलता में वृद्धि: 1961 से अब तक हुए हज़ारों संशोधनों के कारण कर कानून अत्यंत कठिन और समझ से परे हो चुका है। एक आम करदाता के लिए इसे समझना असंभव-सा हो गया है।

2.डिजिटलीकरण की आवश्यकता:पिछले दशक में कर प्रशासन में तकनीकी हस्तक्षेप बढ़ा है, लेकिन मौजूदा कानून उस गति से अपडेट नहीं हो पा रहा है। नया विधेयक इस डिजिटल ट्रांजिशन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

3.अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ समन्वय: OECD देशों की कर संरचनाओं और वैश्विक बेस्ट प्रैक्टिसेस को ध्यान में रखते हुए यह विधेयक लाया गया है।

4.साधारण भाषा और संरचना:नया विधेयक सरल भाषा में लिखा गया है और इसमें सूत्रों, तालिकाओं और डायग्राम्स का उपयोग किया गया है ताकि आम नागरिक भी इसे समझ सके।

प्रमुख विशेषताएँ:

1. नई कर स्लैब व्यवस्था (Individual Tax Payers):

वार्षिक आय सीमा	कर दर
₹0 - ₹4 लाख	0%
₹4 लाख - ₹8 लाख	5%
₹8 लाख - ₹12 लाख	10%
₹12 लाख - ₹16 लाख	15%
₹16 लाख - ₹20 लाख	20%
₹20 लाख - ₹24 लाख	25%
₹24 लाख से ऊपर	30%

•पुराने स्लैब्स की तुलना में नई स्लैब संरचना अधिक स्पष्ट और करदाता के अनुकूल है।
•अनुमानित रूप से एक मिडिल क्लास करदाता को ₹1 लाख तक की सालाना राहत मिल सकती है।

2.डिजिटल और तकनीकी प्रावधान:
•कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल footprint – ईमेल, सोशल मीडिया, ऑनलाइन लेनदेन आदि तक सीमित स्तर पर पहुँच की अनुमति दी गई है।
•इसका उद्देश्य कर चोरी रोकना और टैक्स बेस को बढ़ाना है।

3. वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (Cryptocurrency):
•क्रिप्टोकरेंसी और NFT जैसे डिजिटल संपत्तियों को कानूनी मान्यता देते हुए उसे Capital Assets के तहत रखा गया है।
•इन पर विशिष्ट कर दरें और रिपोर्टिंग अनिवार्यता लागू की गई है।

4. NRI कराधान:
•NRI स्टेटस की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है और इससे जुड़ी कर छूटों को पारदर्शी बनाया गया है।
•DTAA (Double Taxation Avoidance Agreement) को लेकर स्पष्ट दिशानिर्देश दिए गए हैं।

5. पारदर्शी विवाद निवारण तंत्र:
•DRP (Dispute Resolution Panel) को अधिक शक्तियाँ और स्वतंत्रता दी गई है।
•नई समय सीमा और ई-हियरिंग सिस्टम को शामिल किया गया है।

6. CBDT को विस्तृत शक्तियाँ:
•CBDT को कर संबंधी नियम और प्रक्रिया निर्धारित करने का अधिकार दिया गया है, जिससे छोटे मुद्दों के लिए बार-बार संसद में संशोधन लाने की आवश्यकता नहीं होगी।

लाभ:

1.करदाताओं को स्पष्टता:सरल भाषा, सूत्र और स्पष्ट ढांचे से करदाता अधिक सहजता से अपनी कर देनदारी का आकलन कर सकेगा।

2.प्रशासनिक पारदर्शिता:ई-फाइलिंग, ट्रैकिंग, और ऑनलाइन स्क्रूटनी से भ्रष्टाचार की संभावनाएँ कम होंगी।

3.कर आधार में वृद्धि:डिजिटल निगरानी और बेहतर अनुपालन उपायों से सरकार को कर संग्रह में वृद्धि की उम्मीद है।

4.व्यवसायों को स्थिरता:नई कर व्यवस्था अधिक स्थिर और दीर्घकालिक योजनाओं के लिए उपयुक्त है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

आलोचनाएँ और चिंताएँ:

1.गोपनीयता से समझौता:कर अधिकारियों को डिजिटल माध्यमों तक पहुँच की अनुमति से निजता पर आघात हो सकता है।

2.छोटे व्यवसायों पर दबाव:नई रिपोर्टिंग आवश्यकताएँ और डिजिटलीकरण छोटे व्यापारी वर्ग के लिए चुनौती बन सकती हैं।

3.राजनीतिक असहमति:कुछ विपक्षी दलों ने विधेयक की टाइमिंग और डिजिटल निगरानी के प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं।

एडवोकेट
वकील अहमद कुरैशी, कर सलाहकार

गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचाएगी छाछ

-जानें सेहत के लिए कितनी है फायदेमंद और कितना है उचित सेवन

गर्मियों में लोग अक्सर डिहाइड्रेशन की समस्या का शिकार बन जाते हैं। तो ऐसे में छाछ पीना शरीर के लिए फायदेमंद होता है। छाछ को पाचन में सहायक, शरीर को ठंडा रखने वाला और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला खाद्य पदार्थ माना जाता है। इसलिए गर्मियों में छाछ पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। छाछ में मौजूद प्रोबायोटिक्स और कैल्शियम पाचन को बेहतर बनाते हैं और हड्डियों की मजबूती बढ़ाते हैं। इसके साथ ही छाछ शरीर के तापमान को कम करने और ऊर्जा प्रदान करने में मदद करता है। गर्मियों में शरीर को पानी की जरूरत होती है और इसके लिए छाछ एक बेहतरीन उपाय है।

कितनी छाछ पीना चाहिए?

विशेषज्ञों का कहना है कि छाछ का अधिक सेवन शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकता है। अधिक मात्रा में छाछ पीने से कई बार पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अधिक मात्रा में छाछ पीने से कुछ लोगों में गैस, अपच या पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, छाछ में मौजूद दूध और ताजा तत्व शरीर को अधिक फाइबर और शुगर प्रदान करते हैं। इसलिए, अगर आप सीमित मात्रा में छाछ का सेवन नहीं करते हैं तो वजन बढ़ने की संभावना हो सकती है। इसलिए, अधिक मात्रा में छाछ पीने से बचें। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार, दिन में 1-2 गिलास छाछ पीना सबसे अच्छा है, जो शरीर को ठंडक पहुंचाता है और पाचन में आवश्यक सहायता प्रदान करता है। अधिक मात्रा में छाछ पीने से अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

गर्मी में छाछ कैसे फायदेमंद होती है?

दरअसल, छाछ दही से बनती है और दही की तासीर ठंडी होती है। यह गर्मी से बचाने में मददगार है। दही पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, आंत के स्वास्थ्य और कई अन्य लाभों के लिए भी जाना जाता है। दही पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें अच्छे बैक्टीरिया होते हैं जो पेट के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। दही मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार हो सकता है।

छाछ , मट्ठा या बटर मिल्क खासकर गर्मियों में पेट को ठंडक पहुंचाने के लिए बहुत अच्छा होता है। लेकिन शायद आप नहीं जानते कि अच्छी सेहत के लिए अगर आप छाछ में करी पत्ता डाल दें, तो यह आपके शरीर के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबित, छाछ पीना त्वचा के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

मिशन 'बारां शक्ति' से जुड़े हजारों स्वयं सेवक

-"सेवा ही धर्म, सुरक्षा हमारा कर्म" जिला प्रशासन की अभिनव पहल

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मिशन 'बारां शक्ति' के तहत व्यापक स्तर पर सिविल डिफेंस प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य आपात स्थितियों जैसे प्राकृतिक आपदाएं, आगजनी, दुर्घटनाएं आदि से प्रभावी रूप से निपटना और आमजन को जागरूक एवं आत्म निर्भर बनाना है।

जिला कलक्टर ने "सेवा ही धर्म, सुरक्षा हमारा कर्म" के स्लोगन के साथ जिले वासियों से अपील की कि वे नागरिक सुरक्षा के लिए संकल्प लें और इस मिशन में सक्रिय भागीदारी निभाएं। मिशन के तहत स्वेच्छा से अब तक 3000 से अधिक नागरिकों ने स्वयं सेवक के रूप में पंजीकरण कराया है। सिविल डिफेंस का यह प्रशिक्षण न केवल जीवन रक्षा के उपाय सिखा रहा है, बल्कि नागरिकों में सजगता, आत्म निर्भरता और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के कोटा रोड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय, दशहरा मैदान, श्रीराम स्टेडियम, पब्लिक पार्क, निजी संस्थान, काठिया बाबा की बगीची तथा कलमण्डा बालाजी परिसर जैसे प्रमुख स्थलों पर आयोजित किए जा चुके हैं। इन प्रशिक्षण सत्रों में 2000 से अधिक युवाओं, महिलाओं, शिक्षकों, व्यापारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला कलक्टर ने बताया कि प्रशिक्षण का यह क्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा और विशेष रूप से महिला स्वयं सेवकों को भी इस मुहिम से जोड़ा जा रहा है, ताकि हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। डीएसओ अनिल चौधरी ने बताया कि जिले में आपदा प्रबंधन एवं सिविल डिफेंस टीम द्वारा नागरिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

माथनिया ग्राम पंचायत मे सफाई के नाम पर खानापूर्ति

फिरोज खान वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के सुनेल क्षेत्र कि ग्राम पंचायत माथनिया के गांव सिरपोई गुजरान में सड़क पर नालियां बनने के बावजूद भी आज तक सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है जिस से मार्ग पर कीचड फैला रहता है। जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से मुँह मोड़ के बैठे है कई बार शिकायत व याचना के उपरांत भी कोई कार्यवाही नहीं कि गई, ग्राम वासियों ने 19 मई 2025 को बताया कि साफ सफाई केवल कागजो पर हो रही है और सरकार द्वारा आवंटित राजस्व को फर्जी तरिके से उठाया जा रहा है। आवंटित राशि का उपयोग नालियों कि सफाई के स्थान पर कही और किया जा रहा है,लोगों का आरोप है कि जब सरकार पैसा दे रही है तो नालियों कि सफाई क्यों नहीं कि जा रही है। मुख्य मार्ग पर इतनी गन्दगी व कीचड फैला है कि लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है कीचड व दुर्गन्ध के करण ग्रामीण परेशान है।

हेरिटेज लुक में बूंदी रेलवे स्टेशन, पीएम मोदी करेंगे वर्चुअल लोकार्पण

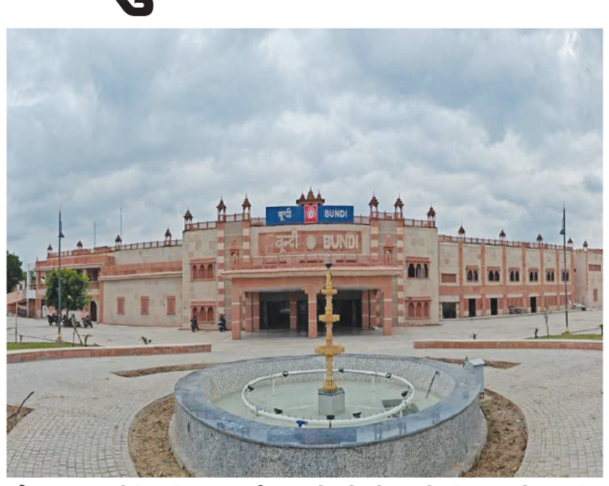

बूंदी। राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर और स्थापत्य कला की झलक अब बूंदी रेलवे स्टेशन पर भी देखने को मिलेगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का नवीनीकरण किया गया है, जिससे यह अब पूरी तरह से एक आधुनिक और आकर्षक स्टेशन के रूप में सामने आया है। स्टेशन को राजस्थानी शैली में सजाया गया है, जिसमें बलुआ पत्थर की पारंपरिक वास्तुकला, खूबसूरत छतरियां और झरोखे शामिल हैं। इसके साथ ही स्टेशन पर विशाल तिरंगा, आकर्षक फव्वारा और हेरिटेज थीम इसे एक भव्य महल जैसा रूप देते हैं। सुविधाओं की बात करें तो अब स्टेशन पर चार नए टिकट बुकिंग काउंटर, वातानुकूलित प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल), पे-एंड-यूज शौचालय और नई पार्किंग व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस यह स्टेशन अब यात्रियों के लिए पहले से कहीं अधिक आरामदायक और सुविधाजनक बन गया है। 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस नवविकसित स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे।

बूंदी को 'छोटी काशी' और एक ऐतिहासिक पर्यटन नगरी के रूप में जाना जाता है, जहां देसी-विदेशी पर्यटक यहां की किलों, बावड़ियों, चित्रशैली और शैलचित्रों को देखने आते हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशन का कायाकल्प पर्यटन को नई दिशा देगा। अब शाही ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों का यहां ठहराव होता है, जिससे दिल्ली, अहमदाबाद और उदयपुर जैसी प्रमुख जगहों से सीधी कनेक्टिविटी मिलती है। इस बदले हुए रूप से न सिर्फ पर्यटकों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आवागमन भी आसान होगा, जिससे स्थानीय होटल और पर्यटन उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे स्टेशन के विकास से स्थानीय उद्योग और व्यापार क्षेत्र में भी नए अवसर उत्पन्न होंगे। व्यापारियों और उद्योगपतियों ने इसे एक बड़ा कदम बताया है। चावल उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया कि बड़ी मात्रा में चावल का निर्यात बूंदी से होता है और स्टेशन की आधुनिकता से मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक सुगम हो सकेगी। पूर्व सभापति महावीर मोदी और समाजसेवी भगवान लाडला ने इसे क्षेत्रीय विकास का प्रतीक बताया है। अंडरपास के निर्माण से ग्रामीण इलाकों के लोग अब बिना लंबा रास्ता तय किए शहर से जुड़ सकेंगे।

दस वर्ष बाद बन रहा है मेलखेडी में सीसी रोड

-20 फीट चौड़ा बनना था, कुछ जगह 12 तो कुछ जगह 15 फीट बन रहा हैं सीसी रोड

बारां.(रॉयल पत्रिका)। मेलखेडी ग्राम में लगभग 10 साल बाद सीसी रोड बन रहा है। इससे ग्रामीणों में खुशी तो है लेकिन दुख और चिंताएं भी हैं। क्योंकि सीसी रोड कुछ जगहों पर मात्र 12 फीट बन रहा और कुछ जगहों पर 15 फीट रोड बनाया जा रहा है। नहरी किसान संघर्ष एवं सिंचाई समिति के अध्यक्ष पवन यादव ने बताया कि रोड बनने से पहले ना तो कीचड हटाया गया और ना ही अतिक्रमण हटाया गया। ना ही सफाई करवाई गई। बिजली के खम्बे भी शिफ्ट नहीं किए गए। ठेका नगर परिषद के उपसभापति नरेश पैंतरा का है, जो दो माह पूर्व हुआ था। रोड का जीर्णोद्धार व शिलान्यास मुख्य अतिथि विधायक राधेश्याम बैरवा, जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश पारेता ने किया था। जहां अतिथियों ने घोषणा की थी कि सीसी रोड 20 फीट चौडा बनेगा। यादव ने कहा कि सब व्यवस्था परिवर्तन कर दी। सीसी रोड को गली के रोड जैसा कर दिया। बारां धानमंडी, जिला अस्पताल, मांगरोल बाईपास, सब्जी मंडी जाने वाला 20 गांवों का प्रमुख मार्ग कोई देखने तक नहीं आ रहा। पवन यादव समेत मेलखेडी पूर्व सरपंच गोबरी लाल सुमन, कार्यालय मंत्री राजेंद्र गोड ने रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जब नालियां नहीं बनेंगी, राहगीरों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा।

डीपी में आग लगने से जली केबल, हादसे का अंदेशा

-विद्युत विभाग की लापरवाही

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद के समीप लगी विद्त विभाग की डीपी में गत दिनों अचानक आग लग गई यहां अब हादसे का अंदेशा है। उसके बावजूद भी विद्त विभाग के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही विभाग यहां बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

गर्मी के मौसम में आए दिन शहर में आगजनी की घटनाएं होती है। रखरखाव के नाम पर घंटे बिजली काट ली जाती है। लेकिन रखरखाव नहीं हो पाता है। राजीव गांधी ब्रिगेड कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अलीम खान ने 19 मई को बताया कि जिला परिषद के पास लगी हुई डीपी में आग लगे हुए कई दिन बीत गए आग लगने से डीपी की केबल क्षतिग्रस्त हो गई। बावजूद विद्त विभाग इसकी सुध नहीं ले रहा ऐसे में यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

परीक्षा परिणाम पाकर खिले चेहरे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। हाउसिंग बोर्ड स्थित सेठ मुरलीधर जमनादास बारदान वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को में गा पीटीएम (छात्र अभिभावक बैठक) में विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम बांटे गए।

संस्था प्रधान श्रीमती शान्ति चौहान ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी (समग्र शिक्षा) पाली चन्द्रप्रकाश जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन को बढाने के लिए अभिभावकों को प्रतिमाह एक दिवस विद्यालय में आकर उनकी प्रगति रिपोर्ट जाननी चाहिए। जिससे कि उनका परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहे। उन्होने कहा कि शिक्षक हमेशा विद्यार्थियों के प्रति समर्पित रहता है। ऐसे में अभिभावक भी थोडा प्रयास करे तो उसका भविष्य और भी बेहतर हो सकता है।

उन्होने विभिन्न कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम देकर उनका हौंसला बढाया। इस मोके पर व्याख्याता जूंजाराम पटेल, चन्द्र प्रकाश अगनानी, मीठालाल चांवरिया, श्रीमती सरिता राजपुरोहित, भगवानदास बाबानी, श्रीमती दर्शना शेखावत, श्रीमती जया करमचंदानी, श्रीमती रेखा हाटडिया, श्रीमती स्नेहा चौधरी, श्रीमती मंजू बालोटिया, श्रीमती तेज कंवर, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, श्रीमती सरोज सैन, संजय कुमार सैन समेत विद्यालय स्टाफ समेत अभिभावक मौजूद रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत जिला कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न

शब्बीर हुसैन

बाराँ, (रॉयल पत्रिका) । शहर के कोटा रोड़ स्थित निजी रेस्टोरेंट के सभागार में राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत जिला कमेटी का 35वां अधिवेशन व निर्वाचन पर्यवेक्षक अशोक लोदवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष व निर्वाचन अधिकारी महावीर मीणा प्रांतीय सह संयोजक की देख-रेख में संपन्न हुए। सर्वप्रथम जिला मंत्री जीतमल मालव ने वर्ष 2024-25 का प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष विनोद शाक्यवाल ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया। संरक्षक भूपेन्द्र माथोड़िया, पर्यवेक्षक अशोक लोदवाल व चुनाव अधिकारी महावीर मीणा ने संगठन, शिक्षा व सरकार की नीतियों पर अपने विचार रखे। तत्पश्चात नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघर्ष समिति संयोजक सुरेश कुमार नागर ने किया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में सभाध्यक्ष रूस्तम अली खान, उपसभाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार मीणा व सतीश गौतम, अध्यक्ष चन्द्रभान मीणा, जिला मंत्री जीतमल मालव, कोषाध्यक्ष हेमन्त मीणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश कुमार नागर, महिला उपाध्यक्ष कमलेश मीणा, उपाध्यक्ष धर्मराज योगी, पप्पू सिंह मीणा, जावेद रईस, राकेश मीणा, योगेन्द्र मीणा, इन्द्रराज मेघवाल, जितेंद्र मीणा, रामप्रताप मीणा, संयुक्त मंत्री मुरारीलाल मीणा व सत्येन्द्र चौधरी, प्रवक्ता लालवीर मीणा व कमलसिंह, संघर्ष समिति संयोजक हरलाल मीणा, मुकुट बिहारी मीणा व राजेश कुमार, सहसंयोजक चन्द्रमोहन मीणा, धनराज पोटर व बृजराज मीणा, संगठन मंत्री चेतन प्रकाश मीणा, दिलीप यादव व बद्रीलाल मीणा संरक्षक मण्डल में मूलचन्द वैष्णव, बहादुर सिंह गौड प्रेमचंद नागर, भूपेन्द्र माथोड़िया व कार्यकारिणी में 10 सदस्य व 5 विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए ।

कुशलपाल प्रजापति राष्ट्रीय बीच थ्रो बॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान से रेफरी नियुक्त

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला थ्रोबॉल संघ के सचिव कुशलपाल प्रजापति को राष्ट्रीय बीच थ्रो बॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान से रेफरी नियुक्त किया गया है। यह प्रतियोगिता 17 से 19 मई तक कन्याकुमारी में समुद्र किनारे आयोजित होगी। जिला थ्रो बॉल संघ के अध्यक्ष अरविंद भारद्वाज ने बताया कि कुशलपाल कई वर्षों से थ्रो बॉल में सेवाएं दे रहे हैं।

राजस्थान थ्रो बॉल संघ के सचिव कमल गोस्वामी ने बताया कि प्रजापति भारतीय टीम के प्रशिक्षक भी रह चुके हैं। थ्रो बॉल के प्रति उनके योगदान को देखते हुए थ्रो बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल नरेश मान ने उन्हें रेफरी नियुक्त किया है।

प्रजापति की नियुक्ति पर जिला खेल अधिकारी विशाल सिंह, ओलंपिक संघ के सचिव हरिनारायण सिंह, अध्यक्ष सत्येंद्र शर्मा, पावर लिफ्टिंग के डॉ. मूलचंद शर्मा, वेट लिफ्टिंग के उमेश अग्रवाल, फुटबॉल के निर्मल माथोड़िया, क्रिकेट संघ के अभिनव जैन, अब्दुल अजीज सिंघाड़ा, हॉकी के अरविंद त्यागी, टेनिस बॉल के सलाम पठान, जिला वॉलीबॉल संघ के मुकेश मेहरा, खेल शारीरिक शिक्षक संघ के सुनील शर्मा, दीप्ति मदान, मीना चौहान, अनिल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, माध्यमिक शिक्षा के नॉर्थमल, नीलम कपूर, ऋचा वर्मा, सपना अवस्थी, हिंदू व्यायाम शाला के ओम सुमन, भीम दल के मंगल सिंह, विष्णु व्यायाम शाला के जयपाल, थ्रो बॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी आदर्श पाल, पांचूलाल केदाहेड़ी, जिला थ्रो बॉल संघ के कोषाध्यक्ष शंभूदयाल वैष्णव, इंदिरा भारत के सचिव बाबूलाल जैन सहित कई खेल प्रेमियों ने बधाई दी। सभी ने प्रजापति के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

उर्मिला जैन की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति की बैठक सम्पन्न

-निलम्बित चल रहे दो ग्राम विकास अधिकारियों को बहाल किए जाने का लिया निर्णय

बारां.(रॉयल पत्रिका)। जिला स्थापना समिति की बैठक 15 मई गुरूवार को जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बारां, उपखण्ड अधिकारी बारां एवं जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) बारां उपस्थित रहे।

बैठक में अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 अन्तर्गत 03 अध्यापकों के नियुक्ति/पदस्थापन का अनुमोदन किया गया। इस दौरान अशोक कुमार सहरिया ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मझारी एवं राजेन्द्र सहरिया ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बीलखेडा डांग पंचायत समिति शाहबाद को पीएम जनमन एवं आवास योजनाओं में लापरवाही बरतने के कारण लम्बे समय से निलम्बित चल रहे दोनों ग्राम विकास अधिकारियों को बहाल किए जाने का निर्णय लिया गया।

भाजपा के विधायक, मंत्री अपनी जबान पर लगाम लगाकर दे बयान: खुराना

बारां, (रॉयल पत्रिका)। हिन्द जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश खुराना ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कड़े शब्दों में कहा कि भाजपा पदाधिकारी अपने विधायक और मंत्रीगण को जबान पर लगाने के लिए कहे। हाल ही में तिरंगे से नाक पूंछते हुए विधायक बालमुकंद तिरंगे का अपमान करते हुए नजर आ रहे है। कुछ भाजपा के सदस्य चेयरमैन कमल रघुवंशी शादी मंडलों पर जाते हुए अश्लील हरकत करते नजर आए। डिप्टी सीएम मध्यप्रदेश जगदीश देवडा ने कहा कि सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक दे रही हैं। विजया शाह मध्यप्रदेश के मंत्री ने कर्नल सूफिया को आतंकवादियों की बहन बताया। यह बहुत ही शर्मनाक घटना है। खुराना ने कहा कि जबकि सेना अपनी जान की परवाह न करते हुए देश की सुरक्षा के लिए हर समय खडी रहती है। वहीं भाजपा के आला अधिकारी राजनीति कि रोटियां सेंकने के लिए लगे हुए हैं। खुराना ने इस बात की कडे शब्दों में गहरी निंदा की।

दिल्ली में आयोजित ब्रोंकोकण 2025 में डॉ. ऋषि बने पैनलिस्ट

दिल्ली, (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन BRON-COCON 2025 से गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डॉ. ऋषि कुमार शर्मा को बतौर पैनलिस्ट आमंत्रित किया गया। डॉ. ऋषि ने फेफड़ों के कैंसर रोग के निदान हेतु उपलब्ध बयोप्सी की विभिन्न आधुनिक तकनीक पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने बताया कि फेफड़ों की दूरबीन द्वारा जांच [BRONCHOSCOPY] करके कैंसर का आसानी से पता लगाया जा सकता है। सम्मेलन में देश भर के करीब 1000 चिकित्सकों ने भाग लिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया दिव्याशा केंद्र का उद्घाटन, दिव्यांगजनों को मिला सम्मान और सहारा

कोटा , (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कोटा के एमबीएस अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र दिव्यांगजनों के आत्मबल, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। यह केवल उपकरण वितरण का केंद्र नहीं बल्कि दिव्यांगजन के आत्मसम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने का माध्यम बनेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहल समाज के सबसे संवेदनशील वर्ग तक विकास और अधिकार की पहुंच सुनिश्चित करने की सोच का सशक्त उदाहरण है। आज देशभर में दिव्यांगजन आत्मबल के साथ अपने पैरों पर खड़े हो रहे हैं, उन्होंने स्वयं देखा है कि कैसे दिव्यांगजन मोटरसाइकिल से कुल्फी, कपड़े आदि बेचते हुए आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन ने समाज की सोच को भी बदला है।

दिव्यांग - शब्द नहीं, सोच का बदलाव- बिरला ने कहा कि यह केन्द्र प्रधानमंत्री मोदी की उस संवेदनशील सोच का सजीव उदाहरण है जिसमें हर नागरिक विशेषकर हमारे दिव्यांगजन और वरिष्ठजन, गरिमा और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकते हैं। पीएम द्वारा 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द को अपनाना केवल भाषाई परिवर्तन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण में बदलाव की एक अनूठी पहल है। उन्होंने कहा, "दिव्याशा केन्द्र की मानवीय और पुनीत पहल के लिए मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं।"

राज्य सरकार की पहल की सराहना- बिरला ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित व्यक्ति को मुख्यमंत्री इलेक्ट्रिक व्हील चेयर योजना के तहत ऑटोमेटेड मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि इससे दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

सहायक उपकरणों से बदलेगा जीवन- प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र में दिव्यांगजनों को दंत प्रत्यारोपण, चश्में, कृत्रिम अंग, कमर व गर्दन के पट्टे, सहायक छड़ियां और अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। विशेष रूप से डिज़ाइन की गई ऐसी छड़ी भी दी जाएगी जो अंधेरे में व्यक्ति की मौजूदगी का संकेत देती है। यह सभी उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुलभ और सक्रिय बनाएंगे।

कोटा में बनेगा दिव्यांगजन पार्क- बिरला ने कोटा में 15 करोड़ रू. की लागत से एक आधुनिक दिव्यांगजन पार्क के निर्माण की घोषणा की। इस पार्क में योग केंद्र, व्यायाम स्थल, पुस्तकालय और रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं होंगी, जहां दिव्यांगजन स्वतंत्र रूप से समय व्यतीत कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह पार्क शारीरिक सुविधा के साथ ही बल्कि आत्मबल और आत्मविश्वास को भी मज़बूती देगा।

प्रदेश की तीसरा और आधुनिक केन्द्र- एलिम्को, कानपुर के विपणन प्रबंधक हरीश कुमार ने बताया कि यह राजस्थान का तीसरा प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र है जिसमें 16 प्रकार के उपकरण वरिष्ठ जनों की सहायतार्थ एवं 16 प्रकार के उपकरण दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध हैं।

जरूरतमंद पात्र जन सीधे ही केंद्र में आकर जरूरी दस्तावेज दिखाकर सहायता उपकरण प्राप्त कर सकते हैं। बिरला ने कार्यक्रम में 127 वरिष्ठ जनों को व 99 दिव्यांगजनों को उपकरण भेंट किए। इसमें मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, स्मार्ट स्टिक, श्रवण यंत्र, गले का पट्टा, कृत्रिम अंग, वॉकर, छड़ी एवं अन्य उपकरण शामिल है। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की संयुक्त निदेशक सविता कृष्णिया, एलिम्को आरएमसी, जयपुर के उप प्रबंधक एवं प्रभारी हरीश कक्कड़, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ संगीता सक्सेना, महाराव भीम सिंह चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ धर्मराज मीणा सहित अन्य अधिकारी, चिकित्सक एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

गौरव सेनानी करामत अली पठान सुपुर्द-ए-खाक

-तीन बार राष्ट्रपति पदक से हो चुके थे सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

लक्ष्मणगढ़, (रॉयल पत्रिका)। उपखंड के खीरवा गांव निवासी व पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह के ट्रेनर रहे। आपको चीफ ऑफ़ द आर्मी प्रतिनिधि ने पुष्प चक्र अर्पित की खिरवा गांव में जनाजे में शामिल क्षेत्र के लोग व सेना के अधिकारी पुलिस प्रशासन बड़ी संख्या में शामिल हुए। गौरव सेनानी करामत अली पठान की पार्थिव देह को सुपूर्द-ए-खाक किया गया। करामत अली बहादुर सैनिक होने के कारण तीन बार राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित हुए थे। 1977, 1979 में तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने दो बार सम्मानित किया था। इसके अलावा 1977 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने भी सम्मानित किया था। उनके जनाजे में सेना व अर्द्ध सैनिक बलों के वर्तमान व पूर्व अधिकारियों,पुलिस अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने शिरकत कर अंतिम विदाई दी। पठान का देर रात 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। जनाजा निकलने से पहले सुरक्षा बलों के वर्तमान व पूर्व अधिकारियों ने उनके जनाजे पर पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जनाजे पर पुष्प चक्र अर्पित करते सेना के अधिकारी।

चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी के प्रतिनिधि के रूप में नायब सूबेदार नईम खान, मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा जीओसी 61 सब एरिया, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह जीओसी साउथ वेस्टर्न कमांड, लेफ्टिनेंट जनरल अरुण साहनी, कमांडेंट 61 कैवेलरी, डीजीपी बीएसएफ के प्रतिनिधियों द्वारा पुष्प चक्र चढ़ाया गया। करामत अली के बड़े बेटे करामत अली पठान व पत्नी के साथ तीनों बेटे। फाइल फोटो मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा, लेफ्टिनेंट जनरल. मनजिंदर सिंह ने पुष्प चक्र चढ़ाए डिप्टी कमांडेंट याकूब अली पठान, छोटे बेटे कर्नल सलीम पठान, कर्नल बिजेंद्र महला जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, लक्ष्मणगढ़ डीवाईएसपी दिलीप मीणा, जिला विशेष शाखा प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अयूब अली, तहसीलदार इमरान खान, तहसीलदार फारूक खान, बलारां एसएचओ नेकीराम, एएसआई सरवर खां, सूबेदार सार्दुल खान, हवलदार इफ्तेखार पठान 29 आरआर, हवलदार अकरम पठान व अरशद अयूब सहायक प्रशासनिक अधिकारी आदि ने भी पुष्प चक्र अर्पित किया। इसके अलावा भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, भाजपा नेता दिनेश जोशी आदि ने भी मरहूम करामत अली पठान को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। आप तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरू से पुरस्कार लेते हुए।

1966 व 1971 के युद्ध में भाग लिया था। करामत अली घुड़सवारी के शानदार खिलाड़ी व कुशल प्रशिक्षक भी थे। 1979 में मॉस्को प्री ओलम्पिक खेलों में गोल्ड मेडल जीते थे।

पठान 1955 में सेना तथा 1974 में बीएसएफ ज्वॉइन किया था। 1967 से 1974 तक पुणे की नेशनल डिफेंस एकेडमी में घुड़सवारी के प्रशिक्षक थे।

उस समय जनरल वीके सिंह एनडीए में कैडेट थे। करामत अली 1966 व 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में भाग ले चुके हैं। करामत अली के बेटे याकूब अली डिप्टी कमांडेंट पद से रिटायर हुए हैं। दो अन्य बेटे कर्नल सलीम पठान व कमांडर इरफान पठान अभी देश की सेवा में तैनात हैं।

इस्लाम खान को इंसानियत एकता सेवा समिति ने किया सम्मानित

-इस्लाम खान ने जीता था स्वर्ण पदक

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित भाईजी चौक राणाजी के नोहरे में इंसानियत एकता सेवा समिति की ओर से समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब के नेतृत्व में इस्लाम खान को लखनऊ में 13 वीं नेशनल पेंचक चैम्पियनशिप 9 मई से 12 मई तक में स्वर्ण पदक जीतने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर, माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अहसान गौरी, सीएम एचओ चूरू समिति उपाध्यक्ष महमूद अली राणा व मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने शुभकामनायें प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान, स्टे रिलेक्सड फिजियोथेरेपी के डायरेक्टर डॉ. अखतर खान, डॉ. शाहनवाज खान, अब्बास खान मोयल राणा राजस्थान राजपूत महासभा प्रदेशाध्यक्ष, अख्तर खान रुकन खानी रॉयल विकलांग विकास संस्था प्रदेशाध्यक्ष, सुलेमान मनिहार, महबूब खान नसवान, मोहम्मद अली राणा, साबिर खान दौलतखानी, फारूक चौहान, फैसल गौरी, नबी अगवान आदि उपस्थित रहे। ज्ञात रहे इससे पहले भी इस्लाम खान को चूरू शहर व जयपुर में संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया। महमूद अली राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नई पीढ़ी को साइंस और शिक्षा से जोड़ने की पहल

-जोधपुर में नूरी एकेडमी का उद्घाटन

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान में अन्य समाज के विद्यार्थियों के साथ-साथ मुस्लिम समाज के छात्र-छात्राएं भी साइंस, आईटी और मेडिकल जैसे क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रहे है। ये मुल्क के लिए बड़े गौरव की बात है। अब वक्त आ गया है कि हमारी नई पीढी अर्थशास्त्र और विज्ञान जैसे विषयों में भी कदम बढ़ाए, ताकि हर क्षेत्र में समाज का मार्गदर्शन सम्भव हो सकें। ये कहना है सुन्नी दावते इस्लामी मुम्बई के राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्लामा मौलाना हाफ़िज़ व क़ारी मोहम्मद शाकिर नूरी का, वे जोधपुर के पुराने स्टेडियम सिनेमा के पास स्थित 'नूरी एकेडमी' के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। वैश्विक इस्लामिक विद्वान मोहम्मद शाकिर नूरी ने विशेष तौर पर तालीम की अहमियत पर बात कर, नूरी स्कूल से नूरी कोचिंग के सफर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी स्कूलें व एकेडमियां ही भविष्य की यूनिवर्सिटियों का रूप लेंगी। जिसमें देश की पीढ़ियां अपना भविष्य सुनहरा बना सकेंगी। उन्होंने कहा कि अल्लाह ने इंसान के जन्म से पहले ही उसकी सभी जरूरतों को पैदा फरमाया, इसलिए युवाओं को समय की मांग, जागरूक समाज और उन्नत राष्ट्र के उत्थान से जुड़े शिक्षा क्षेत्र का चयन कर, उसमें कामयाबी के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कार्यक्रम प्रभारी नूरी इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद सिराज नूरी ने बताया कि इस एकेडमी का मक़सद कक्षा पहली से बारहवी तक के आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस सहित सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक पुस्तकों, कम्प्यूटर अवेयरनेस के साथ-साथ विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना रहेगा। नूरी एकेडमी के कॉर्डिनेटर एम.एस.रज्वी ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र के इस भव्य समारोह में शहर के गणमान्य लोग, इस्लामिक शिक्षाविद्, मस्जिदों के इमाम, मदरसों के शिक्षकगण, अभिभावकगण, नूरी कोचिंग एकेडमी स्टाफगण सहित कई स्टूडेन्ट्स मौजूद रहे।

युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित

-बच्चियों की शिक्षा जरूरी- शहर इमाम मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वार्ड नंबर 27 मोहल्ला व्यापारियान में लड़कियों के लिए एक नए भवन में युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल का संचालन शुरू किया गया जिसमें कक्षा एक से लेकर नोवी तक है। स्कूल का भव्य उद्घाटन शुभारंभ समारोह 14 मई 2025 को सुबह 10:00 बजे बुधवार को मुख्य अतिथि सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी शहर इमाम चुरु के सानिध्य में एवं अध्यक्षता डॉक्टर मुमताज अली कुरैशी ने की वशिष्ठ अतिथि डॉक्टर एफ एच गोरी, डॉक्टर एहसान गोरी, डॉक्टर अख्तर अली खान, एडवोकेट आबिद कुरैशी, मौलाना अब्दुल जब्बार व मौलाना मोहम्मद रफीक, तंजीम जमियत उल कुरैश के अध्यक्ष हाजी मुश्ताक कुरैशी, उपाध्यक्ष हाजी याकूब थीम, हाफिज मोहम्मद इश्तियाक बिसाऊ, रोनके स्टेज रहे।

भव्य स्कूल का निर्माण मोहम्मद रमजान कुरैशी हाजी वाला ने अपने पिता युसूफ नूर मोहम्मद की याद में बिल्डिंग बनाकर तंजीम जमीयतुल कुरैश संस्थान को संचालन के लिए सोपी शहर इमाम ने स्कूल की बिल्डिंग का फीता काटकर शुभारंभ किया कार्यक्रम में अतिथियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया एवं कुरान शरीफ की सूरत पढ़कर प्रोग्राम का आगाज हुआ मुख्य अतिथि ने कहा लड़कियों की शिक्षा के लिए यह बेहतरीन संदेश है। अगर हमारी बच्चीया पढ़ेगी तो उससे दो घरों का फायदा होगा बच्ची पढ़ लिखकर अच्छी शिक्षा पाएंगी देश की सेवा करेंगी जैसे आज सोफिया कुरैशी ने देश का नाम रोशन किया है।

इस्लाम में ऐसी बहुत सी महिलाएं हुई है। महिलाओं की पढ़ाई लिखाई के लिए बहुत संदेश दिए गए हैं। दिन की तालीम के साथ-साथ दुनिया की तालीम बहुत ही आवश्यक है। पढ़ लिख कर ही हमारा समाज तरक्की कर सकता है। डॉक्टर एफ एच गोरी ने कहा इस्लाम में शिक्षा के लिए पहला शब्द इकरा आया है। कुरान में इसका मतलब पढ़ाई से है यहां पर यह नहीं लिखा गया था कि इस्लाम की शिक्षा लो उसमें दुनियावी शिक्षा भी है आज इकरा का सही मतलब समझना होगा जो शिक्षा की और ले जाता है कुरान में तो यहां तक कहा है कि अगर शिक्षा के लिए तुम्हें चीन भी जाना पड़े तो जाओ शिक्षा के लिए दूरी कोई मायने नहीं रखती। हाजी याकूब थीम ने हाजी वाला परिवार की तरफ से स्कूल निर्माण कराया गया उनका शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम का संचालन मुफ्ती इरशाद कासमी ने किया ।

नवाब कायम खां-डे पर 14 जून को लेकर, वेलफेयर की बैठक आयोजित हुई

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एजुकेशनल इंस्टिट्यूट निर्माणाधीन भवन में कायमखानी वेलफेयर सोसायटी चूरू की मीटिंग सम्पन्न हुई, मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा आने वाले 14 जून को नवाब कायम खां(कायमखानी कौम को दुनियाई अँधेरे, हजारों खुदाओ के मानने वालों से बेदार कर इस्लाम जैसे अजीम धर्म में दाखिल करवाने वाली शख्सियत) के शहादत का दिन जो कौम-ए-कायमखानी के लिए एक अहम दिन होने पर सभी सदस्य बस द्वारा चूरू से (निशान-ए-कायम) ददरेवा जाकर फातिहाखानी में शरीक होने का निर्णय लिया गया है साथ ही जिले लेवल पर भी कार्यक्रम करवाये जायेंगे । उपस्थित सदस्य आजम अली खां पूर्व सरपंच पीथीसर, हबीब खां मलवान, इनायत खां मोयल, मैनुदीन फतेहखानी, जाकिर खां के के, इलियास खां झारिया, याक़ूब खां हबीबखानी, मुंशी खां चायल, अकरम अल्फखानी, अनवर हबीब खां, युसूफ खां, रिजवान खां दिलावरखानी, आरिफ खां जसरासर, सद्दाम खां, अकबर खां, इस्लाम खां इस्सेखानी सहजुसर, नौशाद खान, फकरु खा रुकनखानी आदि मौजूद रहे।

भामाशाहों का इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में किया सम्मान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें समाजसेवी महमूद अली राणा, अब्बास खान मोयल राणा प्रदेशाध्यक्ष मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान, इंजीनियर फारूक चौहान,असलम खोखर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, सोहेल खान डी के यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष का फूल माला पहनाकर एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम में हाजी युसूफ खान सचिव,पार्षद अजीज खान दिलावर खानी, समाजसेवी डॉ. यूनुस खान, पार्षद तोफिक खान, संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी, प्रधानाध्यापिका सबीना बानो, शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेईआदि उपस्थित रहे। संस्था में दानदाताओं द्वारा वाटर कूलर, दस कुर्सी, कुलर, इलेक्ट्रॉनिक चुल्ला व स्टेशनरी आदि दी गई। संस्था के शिक्षक असलम खान मोयल ने कार्यक्रम का सफ़ल संचालन किया और सभी का आभार व्यक्त किया।

पाली में 'गरीब नवाज हाईटेक लाइब्रेरी व कोचिंग क्लास' का हुआ उद्घाटन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति द्वारा संचालित 'गरीब नवाज हाईटेक लाइब्रेरी व कोचिंग क्लास' का उद्घाटन रविवार को राजेश्वर वाटिका, पटेल छात्रावास, खोड़िया बालाजी रोड पर हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में शहर के गणमान्य अतिथियों, उलेमा, प्रशासनिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं व समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में मुफ्ती शेर मोहम्मद खान, एडवोकेट गोवर्धन सिंह, ने अपनी प्रेरणादायी बातों से युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। विशिष्ट अतिथियों में मौलाना मुश्ताक, मौलाना सत्तार, हकीम भाई मुस्लिम समाज सदर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, मुस्लिम मुसाफ़िर खाना वित्तीय संचालक मेहबूब टी, प्रदेश अध्यस अल्पसंख्यक संघ इम्तियाज अली, जहिर मकरानी, अजीज कोहिनूर, उस्ताद हमिम बख्श, मोहम्मद यासीन रॉयल, रज्जाक चढ़वा, आमीन डायर, शकील नागौरी, सत्तार पठान समेत कई प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे। फाउंडेशन के अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीगर व कार्यालय प्रभारी फैजान आरटीआई ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य जरूरतमंद एवं परिश्रमी विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क या सुलभ कोचिंग प्रदान करना है। लाइब्रेरी में हाईटेक डिजिटल संसाधनों के साथ पढ़ाई के लिए शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित माहौल उपलब्ध कराया गया है। समारोह में सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक और समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम की सफलता में फाउंडेशन के अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीगर, लाइब्रेरी प्रभारी वाहिद खान अशरफी, परवेज़ अंसारी, खालिद कादरी, मो. यासीन सबावत,सत्तार भाटी, अय्यूब सुलेमानी,फैजान आरटीआई, रमजान सामरिया, इरफान अंसारी, अली अंसार भाटी, इस्माइल गौरी, मुकद्दर अली, फिरोज सामरिया, अकरम शाह, फकीर मोहम्मद चढ़वा, यूसुफ तिलजीवाला, सदाकत अंसारी, मोहसिन सिंधी, आरिफ शेख आउवा, वसीम भाटी, समीर गौरी,हाजी इरफान मुस्लिम युवा फाउंडेशन के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का फीता काटकर किया शुभारंभ

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर ज्योतिनगर में कुदरतुल्लाह क्रिकेट क्लब की ओर से एपीएल किक्रेट प्रतियोगिता सीजन 2 का शुभारंभ दीपिका सोनी पूर्व पार्षद एवं कांग्रेस शिक्षक जिलाध्यक्ष शमशेर भालू खां, महबूब खान नसवान व मंजूर अली धोबी ने फिता काटकर किया। इस अवसर पर दीपिका सोनी ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलें। खेल में हारजीत का महत्व न समझकर खिलाड़ी सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देवें ताकि खिलाड़ी के खेल में निखार आ सके। शमशेर खान ने कहा की खेल खेल की भावना से खेलें और खेल शरीर के विकास के लिए महत्वपूर्ण है प्रतियोगिता सीजन-2 पांच दिन तक चलेगा। जिसमें सात टीमें भाग लेंगी। इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक अरबाज खान ने अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया।

अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह उदयपुर में हुआ आयोजित

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में "अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह 2025" एवं सम्मेलन की कार्यसमिति बैठक का आयोजन शनिवार को सुखाड़िया रंगमंच, टाउन हॉल, नगर निगम प्रांगण में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन समाज के गौरव, योगदान और सामाजिक एकता को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल रहा।

समारोह में गीतांजलि ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल ने मंच से संबोधित करते हुए इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विशेष रूप से अग्रवाल समाज के उन होनहार युवक-युवतियों को भी बधाई दी जिन्होंने आर.जे.एस. (राज्य न्यायिक सेवा परीक्षा) उत्तीर्ण कर समाज और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। अग्रवाल ने माननीय न्यायमूर्ति विनीत माथुर की उपस्थिति को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा में "चार चाँद" लगा दिए। इसके साथ ही उन्होंने समाज के सभी सदस्यों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष के.के. गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश माननीय विनीत माथुर की उपस्थिति ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति मनोज गर्ग ने समाज की न्यायिक जिम्मेदारियों और भूमिका पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि दामोदर अग्रवाल (सांसद, भीलवाड़ा) रहे, जिनकी उपस्थिति ने समारोह को और भी गौरवमयी बना दिया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व मंच पर विराजमान रहे –जे.पी. अग्रवाल (गीतांजलि ग्रुप), सौरभ खेतान (उद्योगपति), प्रशांत अग्रवाल (नारायण सेवा संस्थान), राहुल अग्रवाल (पेसिफिक कॉलेज), शशिकांत खेतान, गोविन्द अग्रवाल एवं नटवर खोतान (उद्योगपति)। समारोह में समाज के वरिष्ठजन – प्रकाश अग्रवाल, संजय निमोविया, श्रीमती वीणा अग्रवाल, मदन लाल अग्रवाल, रवीन्द्र अग्रवाल, दिनेश चंद्र अग्रवाल, अशोक अग्रवाल तथा ओम प्रकाश अग्रवाल (धान मंत्री) की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

मंत्री गहलोत व कुमावत ने आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष राव को दी श्रद्धांजलि

पाली, (रॉयल पत्रिका)। आईएफडब्ल्यू जे पाली शाखा की ओर से रविवार को वरिष्ठ पत्रकार और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे डॉ. विक्रम राव के निधन पर केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत व मंत्री जोराराम कुमावत ने कलेक्ट्रेट मुख्यालय स्थित मीडिया गैलेरी में श्रद्धांजलि दी गई, इस दौरान मंत्री गहलोत ने कहा कि पत्रकार हितों से जुड़े रहे डॉ. विक्रम राव को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते है वही मंत्री कुमावत ने भी कहा कि डॉ. राव ने देशभर में पत्रकारों की आवाज को मजबूती दी है, जिलाध्यक्ष संदीप खिंवाड़ा ने कहा कि डॉ. विक्रम राव ने पत्रकारिता में जो मील के पत्थर स्थापित किए, वे हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

वही उनकी लेखनी का लोहा देश ही नहीं, विदेशों ने भी माना, श्रद्धांजलि सभा के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, भाजपा प्रवक्ता तिलोक चौधरी, सहायक निदेशक जनसंपर्क सौरभ सिंगारिया, IFWJ महासचिव सुभाष रोहिसवाल, शेखर राठौड़, सुभाष त्रिवेदी,

सिकंदर खान, आर दवे मनोज शर्मा, पन्नालाल चौहान, रविन्द्र सोनी, कुलदीप पंवार, दिनेश चौहान, गोपाल भाटी, पवन पांडे, दिनेश गिरादडा, धर्मेंद्र वैष्णव, यासीन खान मौजूद रहे ।

तिरंगा यात्रा निकाली

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने लिया भाग

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में रविवार 18 मई को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शौर्य एवं पराक्रम से पाकिस्तान को परास्त करने पर भारतीय सेना के सम्मान में प्रातः 8 बजे विशाल तिरंगा यात्रा शिवाजी सर्कल (नहर चौराहा) से सूरजपोल होकर शहीद स्मारक तक निकाली गयी। इसमें कैबिनेट मंत्री पशुपालन विभाग जोराराम कुमावत और सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कुमावत ने सम्बोधित करते हुये भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य की सराहना की, उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका जवाब देने के लिये आपरेशन सिंदूर चलाने का निर्णय किया, जिसमें सेना ने एकदम सटीक कार्यवाई की और दुश्मन देश को जवाब दिया। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर देशभक्ति के नारे व देशभक्ति के गीतों का वादन किया गया।

इस अवसर पर ये यात्रा शिवाजी सर्किल से प्रांरभ होकर शहीद स्मारक पर समाप्त हुयी। इस अवसर पर पाली प्रधान मोहिनी देवी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, सुनील भंडारी, पूर्व यूआईटी अध्यक्ष संजय ओझा, पुखराज पटेल, नरेश ओझा, तिलोकराम, राकेश पंवार, अनेक जनप्रतिनिधिगण,पुलिस प्रशासन के अधिकारी, गणमान्य नागरिक, स्वंयसेवी संस्थाओं के बच्चे व आमजन नागरिक मौजूद रहे।

मेहबूब टी मुस्लिम मुसाफिर खाना के संयोजक नियुक्त

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ ने हाजी मेहबूब टी को मुस्लिम मुसाफिर खाना पाली के वित्तीय संचालन समिति का संयोजक नियुक्त किया है। मेहबूब टी के संयोजक नियुक्त होने पर मुस्लिम समाज के सदर हकीम भाई, समाज के सैक्रेटरी रफीक, चोटिला दरगाह कमेटी सदर अमजद अली रंगरेज, मोहम्मद यासीन रॉयल, रिजवान चढ़वा, जिशान अली, रमजान सामरिया सहित कई गणमान्य लोगों ने खुशी जाहिर की है।

जयपुर की 'महाराजा लाइब्रेरी' जहां हवेली में बसी है किताबों की दुनिया

जासिर पठान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर, एक ऐसा शहर जिसकी दीवारों में इतिहास की खुशबू और सांस्कृतिक विरासत की अमिट छाप समाई हुई है। इस ऐतिहासिक नगरी की पहचान न केवल उसकी भव्य हवेलियों और किलों से है, बल्कि यहाँ स्थित कई सांस्कृतिक संस्थान भी इसे खास बनाते हैं। ऐसी ही एक अनमोल धरोहर है चौड़ा रास्ता पर स्थित गवर्नमेंट महाराजा पब्लिक लाइब्रेरी, जो अपनी वास्तुकला और समृद्ध पुस्तक संग्रह के कारण पाठकों के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र है। महाराजा माधोसिंह द्वारा 1866 में निर्मित यह हवेली आज भी अपने हैरिटेज रूप में विद्यमान है और राजस्थान की सांस्कृतिक छटा को जीवंत रखती है। इस पुस्तकालय में इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य तथा विज्ञान जैसे अनेक विषयों की दुर्लभ एवं हस्तलिखित पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो ज्ञान की खोज में लगे शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए बहुमूल्य साधन हैं। यह लाइब्रेरी न केवल जयपुर की, बल्कि पूरे राजस्थान की सबसे बड़ी और पुरानी सार्वजनिक पुस्तकालयों में से एक है, जो शिक्षा और विद्या के प्रसार में अपना अहम योगदान दे रही है। माना जाता है कि इस पुस्तकालय में महाराजा सवाई जयसिंह के कई ग्रंथ मौजूद हैं। जयपुर शहर के संस्थापक सवाई जयसिंह काफ़ी विद्वान व्यक्ति थे , उन्होंने अपने जीवनकाल में कई ग्रंथ लिखे जिनका एक बड़ा संग्रह इस पुस्तकालय में पाठको और खोजकर्ताओ के लिए उपलब्ध हैं। इस पुस्तकालय में कई हस्तलिखित एवं दुर्लभ ग्रंथ मौजूद हैं। इसमें 108 दुर्लभ एवं 300 से अधिक हस्तलिखित ग्रंथ मौजूद हैं। इस पुस्तकालय में अबुल फ़ज़ल द्वारा उर्दू में अनूदित 'महाभारत' भी उपलब्ध है। इसके अलावा यहाँ कई पत्रिकाएं भी हैं, जो एक अपना संग्रह बनाती हैं। 1860 से भारत एवं पूरे विश्व की प्रमुख पत्रों का एक संग्रह भी यहाँ मौजूद है। जिसमे पॉयनियर, द लीडर, द टाइम्स ऑफ़ इंडिया, लंदन न्यूज़ एवं द ग्राफ़िक शामिल हैं।

महाराजा लाइब्रेरी में सरकारी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रो के लिए भी काफ़ी पुस्तक एवं पत्रिकाएँ उपलब्ध है। UPSC एवं सिविल सर्विसेज के लिए छात्रो को जिन पत्रिकाओं एवं न्यूज़ पेपर्स की ज़रूरत होती है वो यहाँ निशुल्क उपलब्ध है। यहाँ 12 न्यूज़पेपर्स एवं 19 पत्रिकाएँ छात्रो के लिए प्रतिदिन मौजूद रहती है, जिससे छात्र-छात्राओं को जीके और करंट अफेयर्स आदि की अच्छी तैयारी करते हैं।

ये पुस्तकालय जयपुर डिवीज़न की सबसे बड़ी लाइब्रेरी है जिसका रख रखाव राजस्थान सरकार का लैंग्वेज एंड लाइब्रेरी डिपार्टमेंट के अंतर्गत आता है। यहाँ पाठको के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। जैसे रीडिंग रूम्स, फ़्री वाईफाई इंटरनेट सुविधा आदि।

लाइब्रेरी का समय सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक है। लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए पाठकों को मेम्बरशिप लेनी पड़ती है जो केवल 100 रुपये है। इस मेम्बरशिप के साथ पाठक वहाँ बैठ कर पढ़ सकते हैं। अगर कोई पाठक यहाँ से किताब लेना चाहे तो एक किताब की वार्षिक राशि 1000 रुपये की सिक्योरिटी जमा करनी होगी, इसके बाद उस किताब को वो लाइब्रेरी से ले जा सकते है, जिसे उन्हें 14 दिन में रिन्यू कराना होगा। इस पुस्तकालय में कई किताबों का अद्‌त संग्रह पाठको के लिए मौजूद है। इसके अलावा इस पुस्तकालय में पाठको के लिए कई लचीली सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कैंसर से जंग को बताया चुनौतीपूर्ण, दी शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ

-बाइडेन के कैंसर की खबर पर डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस ने भी जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। 82 वर्षीय बाइडेन प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं, जो उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को एक्स पोस्ट में जो बाइडेन और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति जताई है। उन्होंने बाइडेन के जल्द ठीक होने की कामना की और उनके परिवार, विशेष रूप से डॉ. जिल बाइडेन के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा, "जो बाइडेन के स्वास्थ्य के बारे में सुनकर बहुत चिंतित हूं। हम उन्हें शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की शुभकामनाएं देते हैं। हमारी संवेदनाएं डॉ. जिल बाइडेन और उनके परिवार के साथ हैं।" बाइडेन के स्वास्थ्य पर कई राजनीतिक नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने की खबर पर दुख जताया है और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। ट्रंप ने रविवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट के ज़रिए कहा कि वे और मेलानिया, बाइडेन के कैंसर की खबर सुनकर बेहद दुखी हैं। उन्होंने लिखा, "हम जिल और परिवार को अपनी शुभकामनाएं भेजते हैं और जो बाइडेन के जल्द स्वस्थ होने की दुआ करते हैं।" बाइडेन के कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 82 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित पाये गये हैं। ये बीमारी उनकी हड्डियों तक फैल गयी है। इससे पहले पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने की घोषणा के बाद उनके लिए अपना समर्थन और प्रार्थना कीं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति डगलस एमहॉफ ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति जो बाइडेन की स्वास्थ्य स्थिति पर चिंता जताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बाइडेन की हिम्मत और जज़्बे की सराहना करते हुए लिखा, "जो एक सच्चे योद्धा हैं और हमें पूरा यक़ीन है कि वे इस चुनौती का सामना उसी ताकत, दृढ़ता और सकारात्मक सोच के साथ करेंगे, जिसने हमेशा उनके जीवन और नेतृत्व को परिभाषित किया है। हम उनके पूरी तरह और जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।"

कंकड़बाग से दीघा तक रिपेयर होंगी 18 टूटी सड़कें:दरोगा राय पथ से लेकर मलाही पकड़ी तक खोदे हुए रोड बनेंगे

आरसीडी को सौंपी गई लिस्ट

पटना, एजेंसी। पटना की सड़कों को बड़े स्तर पर खोदकर पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। जिन मेन रोड में काम पूरा हो गया है, वहां सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है। बारिश में खुले मेनहोल, टूटी सड़कों की काफी समस्या होती है। जिन सड़कों पर सीवरेज नेटवर्क का काम पूरा कर लिया गया है, वहां का काम बुडको ने किया है। उन सड़कों की फिर से मरम्मती के लिए 18 सड़कों की लिस्ट पथ निर्माण विभाग (आरसीडी) को सौंपी गई है। मानसून से पहले ही बुडको एमडी अनिमेष कुमार पराशर द्वारा नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगी निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया है कि खोदी गई सड़कों का काम पूरा होने के साथ ही रिस्टोर करें।

30 मई तक टूटी सड़कों की मरम्मत का दिया था निर्देश

तीन दिन पहले ही पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने 30 मई तक हर हाल में टूटी सड़कों की मरम्मति का आदेश दिया था। उन्होंने सभी एजेंसियों को निर्देशित किया कि निर्माण स्थलों पर सभी खुले मैनहोल को ढकने के साथ ही सभी गड्ढों को भी बिना कोई देरी भरना सुनिश्चित किया जाए। नई राजधानी पथ प्रमंडल, पटना में अब तक 12.787 किलोमीटर सड़क की मरम्मति पूरी कर ली गई है। पटना पश्चिम पथ प्रमंडल में 2.705 किलोमीटर में से 1.755 किलोमीटर पर काम पूरा हुआ है।

3642 मीटर सड़कों की होगी मरम्मती

नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगी एजेंसियों के अनुबंध में ही खोदी गई सड़कों को रिस्टोर करने का नियम है। काम के साथ ही सड़कों को पुराने स्वरूप में निर्माण किया जा रहा है। पथ निर्माण विभाग के सड़कों का रिस्टोरेशन उनके द्वारा ही किया जाता है। जबकि पटना नगर निगम की सड़कों की मरम्मती का काम बुडको की एजेंसी द्वारा किया जाता है। कुल 18 सड़क जिसकी लंबाई 3642 मीटर है, सीवेज पाइप बिछाने के बाद सड़कों को फिर से बनाने के लिए लिस्ट सौंपी गई है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद BSF जवान मोहम्मद इम्तियाज को श्रद्धांजलि

-नीतीश सरकार की ओर से 50 लाख की सहायता

पटना। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकियों से मुकाबला करते हुए शहीद हुए सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवान मोहम्मद इम्तियाज के परिवार को बिहार सरकार की ओर से 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस सहायता की घोषणा करते हुए बताया कि कुल राशि में से 29 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से और 21 लाख रुपये राज्य सरकार की ओर से दिए जाएंगे। शहीद मोहम्मद इम्तियाज ने जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्र में ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनकी शहादत को सम्मान देते हुए राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है, ताकि उनके परिवार को इस कठिन समय में सहारा मिल सके।

शहीद जवान मोहम्मद इम्तियाज की शहादत

मोहम्मद इम्तियाज भारतीय सीमा सुरक्षा बल (BSF) के एक वीर जवान थे, जिन्होंने अपने कर्तव्य की पूरी निष्ठा से सेवा की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए अपनी जान की आहुति दी। यह ऑपरेशन जम्मू और कश्मीर के कुछ संवेदनशील इलाकों में हुआ था, जहां आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया था। इस दौरान BSF के जवान मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए।

उनका बलिदान न केवल उनकी परिवार के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शहीद इम्तियाज की शहादत ने पूरे देश को गर्व महसूस कराया, और उनके परिवार की हिम्मत और साहस को सलाम किया गया। वह न केवल अपने परिवार के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक प्रेरणा बन गए हैं। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और उनकी वीरता को हमेशा सम्मानित किया जाएगा।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी मामले में विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

-सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की माफी ठुकराई, एसआईटी जांच के आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह को कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए बयान पर फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम इस मामले में मंत्री की माफी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। कोर्ट ने आगे कहा, "आप एक सार्वजनिक चेहरा हैं। एक अनुभवी नेता हैं। आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए। हमें आपके वीडियो यहां चलाने चाहिए। यह सेना के लिए एक अहम मुद्दा है। हमें इस मामले में बेहद जिम्मेदार होना होगा।" सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक एसआईटी भी गठित की है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को रखा गया है। इनमें एक महिला अधिकारी भी होंगी। यह तीनों ही अफसर मध्य प्रदेश के बाहर के होंगे और कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए मंत्री के बयान को लेकर जांच करेंगे।

'टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसार'

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'इस टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसार है। हमने आपके वीडियो देखे। आप बहुत गंदी भाषा का इस्तेमाल करने वाले थे, लेकिन शायद आपकी समझ काम आई या आपके दिमाग ने आपको रोका या फिर हो सकता है कि आपको उचित शब्द न मिले हों। आपको शर्म आनी चाहिए। परे देश को हमारी सेना पर गर्व है और आपने यह बयान दिया।' पीठ ने मंत्री से पूछा, 'यह किस तरह की माफी थी? आपको बस अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए थी और माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन आप कहते हैं कि अगर आपने यह और वह कहा है... तो मैं माफी मांगता हूं। माफी मांगने का यह तरीका नहीं है। आपने जिस तरह की भद्दी टिप्पणी की है, आपको शर्म आनी चाहिए।'

छात्रावास आंवटित ही नहीं तो ताला कैसे खुला

बीएन कॉलेज में स्थिति देख राज्यपाल हैरान; छात्र की मौत पर मांगी रिपोर्ट

पटना, एजेंसी। पटना स्थित बीएन कॉलेज में मंगलवार को हुई बमबाजी में छात्र सुधीर कुमार की मौत से आहत राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां शनिवार को खुद कॉलेज कैंपस पहुंच गए। घटनास्थल पर लगभग एक घंटे तक उन्होंने पुलिस प्रशासन और पटना विश्वविद्यालय प्रशासन के पदाधिकारियों से हर पहलू पर जानकारी ली। साथ ही इस मामले की रिपोर्ट मांगी। राज्यपाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैं राजभवन में बैठकर फैसला नहीं करूंगा। जहां समस्याएं होंगी, वहां जाकर निर्णय लूंगा। कैंपस में निर्दोष छात्र की हत्या बहुद ही दुखद है। कुलाधपति ने पटना विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों और पुलिस पदाधकारियों से जल्द रिपोर्ट मांगी तथा दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह से जल्द पूरे घटनाक्रम की एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। घटना के चार दिन गुजर जाने के बाद भी बीएन कॉलेज कैंपस में नहीं आने पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने विवि के पदाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को राजभवन भी बुलाया।

छात्रावास में कमरे खुले होने पर जताई नाराजगी : बीएन कॉलेज कैंपस से पैदल ही कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां एन कॉलेज छात्रावास चले गए। छात्रावास की स्थिति देखकर आश्चर्यचकित रह गए। पूछा कि जब छात्रावास आवांटित ही नहीं हुआ तो ताला कैसा खुला हुआ है। कुछ कमरों का ताला टूटा भी है। जब राजभवन के आदेश से छात्रावास बंद कराया गया था तो बिना आदेश का छात्रावास कैसे खोल दिया गया। इसकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय जल्द दें। कुलाधिपति ने कहा कि छात्रावास में अवैध तरीके से रहने वाले छात्रों को हटाने की जबावदेही सिर्फ शिक्षकों की नहीं है।

छात्र प्रतिनिधियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। ऐसी परिस्थिति में छात्रावासों को खोलना उचित नहीं है। कुलाधिपति ने खासकर छात्रों से अनुशासन में रहने की अपील की और कहा कि शिक्षकों का सम्मान करें। उनसे अभद्र व्यवहार न करें। कोई समस्या हो हमारे पास आएं। कैंपस में बेहतर माहौल बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। वहीं मौजूद प्राचार्य कॉलेज के प्रो. राजकिशोर प्रसाद ने बताया सुबह में पुलिस ने छापेमारी की थी। इसमें कुछ लोगों को पकड़ा भी गया है।

फर्स्ट अबू धाबी बैंक में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिलाल खान सम्मानित

नागौर। राजस्थान के नागौर जिले के निवासी बिलाल खान को फर्स्ट अबू धाबी बैंक में उनके बेहतरीन कार्य प्रदर्शन और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया है। बैंक की ओर से आयोजित एक विशेष समारोह में बिलाल को नवाचार और ग्राहक सेवा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए विशेष अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने बिलाल की मेहनत, ईमानदारी और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। बिलाल ने यह सम्मान अपने परिवार और सहकर्मियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके सहयोग और प्रेरणा के बिना संभव नहीं थी। बिलाल की इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके गांव और जिले का नाम रोशन हुआ है, बल्कि यह पूरे राजस्थान और प्रवासी भारतीयों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन गया है।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का जारी किया नया वीडियो

जहां से सीजफायर उल्लंघन हुआ, उसे मिट्‌टी में मिला दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन सिंदूर का एक नया वीडियो जारी किया। सेना की पश्चिमी कमान ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। सेना ने कहा, प्लान किया, ट्रेनिंग दी और पूरा किया। उन्होंने आगे कहा, इंसाफ हुआ। वीडियो में, एक सुरक्षाकर्मी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक सबक था। ऐसा सबक जो उसने दशकों से नहीं सीखा था। सेना के जवान ने कहा, इसकी शुरुआत पहलगाम आतंकी हमले से हुई। गुस्सा पिघले हुए लावा की तरह था। मन में बस एक ही विचार था - इस बार, हम ऐसा सबक सिखाएंगे कि उनकी पीढ़ियां याद रखेंगी। यह बदला लेने का काम नहीं था, यह न्याय था। 9 मई की रात लगभग 9 बजे, भारतीय सेना ने दुश्मन पोस्ट को नष्ट कर

दिया जिसने युद्धविराम का उल्लंघन किया था। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक कार्रवाई नहीं थी; यह पाकिस्तान के लिए एक सबक था, जो उसने दशकों से नहीं सीखा था। भारत ने पिछले महीने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। भारत की कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और जम्मू और कश्मीर में गोलाबारी की। सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन से हमले करने की कोशिश भी की गई। इसके बाद भारत ने एक समन्वित हमला किया और पाकिस्तान में 11 एयरबेस पर रडार सिस्टम, संचार केंद्रों और हवाई क्षेत्रों को निशाना बनाया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,